ज्ञान विचार
बाटने से ज्ञान कभी खतम नहीं होता बल्कि और बढ़ जाता हैं।

PKL NO.KKR/184/2022-24
हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र
सच्ची व स्टीक खबर, आप तक

गजब हरियाणा

सम्पादक : जरनैल सिंह
छायाकार : राजरानी

Contact : 91382-03233
समस्त भारत में एक साथ प्रसारित
HAR/HIN/2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ❋ 01 अक्टुबर 2023 वर्ष : 6, अंक : 13 पृष्ट : 8 मूल्य: 7/- सालाना 150/- रुपये ❋ email. gajabharyananews@gmail.com

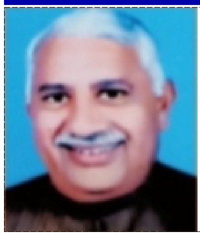

प्रेरणास्त्रोत: डॉ. कृपा राम पुनिया IAS(Retd.), पूर्व उद्योग मंत्री हरियाणा सरकार

मार्गदर्शक: एन.आर फुले, डिप्टी कमिश्नर (जीएसटी)

मार्गदर्शक: डॉ. राज रूप फुलिया, IAS (Retd), पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार तथा वाइस चांसलर, गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार एवं चौधरी देवीलाल यूनिवर्सिटी, सिरसा

यदि 2024 में विधायक बनाया तो पूरी ईमानदारी के साथ होंगे लाडवा हल्के में विकास कार्य : संदीप गर्ग

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र/लाडवा । लाडवा के गांव बदरपुर में बुधवार को ग्रामीण संदीप कुमार ने नेता एवं समाजसेवी संदीप गर्ग द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों को देखते हुए गांव में कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें नेता संदीप गर्ग ने ग्रामीणों को उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों के बारे में बताया।

ग्रामीण सुनील कुमार, ईशम सिंह, मनोज कुमार, रामकुमार, सतीश कुमार, बंटी, जसविन्द्र, वेदप्रकाश, लवली, योगेश ने कहा कि जिस प्रकार से नेता संदीप गर्ग पिछले लगभग पांच साल से कार्य कर रहे हैं, ऐसे में ऐसे व्यक्ति को विधानसभा में भेजने का कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संदीप गर्ग पिछले लगभग पांच साल से भी अधिक हो गए हैं वह हल्के की जनता के बीच में है और हल्के की जनता के लिए जनहित के कार्य कर रहे हैं। वहीं मौके पर पहुंचे नेता संदीप गर्ग ने मौजूद लोगों को आश्वासन दिया कि यदि 2024 के विधानसभा चुनावों में उन्हें लाडवा विधानसभा से विधायक बनाकर विधानसभा में भेजने का काम किया तो 90 विधानसभाओं में लाडवा विधानसभा हरियाणा के मानचित्र पर अलग ही नजर आएगी। क्योंकि लाडवा हल्के में इतने कार्य करवाए जाएंगे, जो आज से पहले अभी तक नहीं करवाए गए हैं। उन्होंने कहा कि लाडवा हल्के की जनता उनका परिवार है। वह अधिक ऊर्जा व ईमानदारी के साथ लाडवा हल्के की जनता के लिए कार्य करेंगे। इससे पूर्व उनका वहां पहुंचने पर फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया।

वरिष्ठ पत्रकार बाबू राम तुषार राजनीति के अखाड़े में कूदे

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, सूत्रों के हवाले से दी कुरुक्षेत्र केंद्रीय सहकारी बैंक के पूर्व डायरेक्टर एवं वरिष्ठ पत्रकार बाबूराम तुषार ने शाहबाद हल्के में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बाबूराम तुषार मूल रूप से शाहबाद हलके के गांव लूखी के रहने वाले हैं और लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। इतना ही नहीं वे कई सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े हुए हैं। लम्बे समय से वे इंसानियत ट्रस्ट के साथ जुड़कर समाज सेवा के कार्यों में लगे हुए हैं। इंसानियत ट्रस्ट अब तक 80 से अधिक गरीब कन्याओं की शादी में सहयोग कर चुकी है। वहीं इंसानियत ट्रस्ट गरीब बच्चों और जरूरत महिलाओं की मदद करने में भी पीछे नहीं है। सृष्टि एजुकेशनल ट्रस्ट के साथ भी वे जुड़े हुए हैं। ट्रस्ट गरीब बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रेरित करती है। यहां यह भी बताना जरूरी है कि बाबूराम तुषार किसी परिचय के मोहताज नहीं है। वे लंबे अरसे से एक हिंदी दैनिक समाचार पत्र के साथ जुड़े हुए हैं और

पिछले 6 साल से एक दैनिक समाचार पत्र के ब्यूरो चीफ के पद पर कार्य कर रहे हैं। उनका सामाजिक संस्थाओं के साथ काफी अच्छा मेलजोल है। वे सामाजिक संस्थाओं के साथ मिल कर पिछड़े समाज व शोषित वर्ग के लोगों के लिए काम करते रहे हैं।

बाबूराम तुषार 10 वर्ष तक दी कुरुक्षेत्र केंद्रीय सहकारी बैंक के निदेशक पद पर रहे। इस दौरान उन्होंने किसानों और कर्मचारियों के हित में काम किया। इतना ही नहीं बाबूराम तुषार का सहकारिता के क्षेत्र में 30 साल का अनुभव रहा है। सूत्रों के अनुसार उनके मन में पिछले दिनों राजनीति के क्षेत्र में आने की इच्छा जागृत हुई थी और वह इसी उद्देश्य को सामने रखते हुए राजनीति के क्षेत्र में आगे आए हैं। वे शाहबाद से विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं। इसी उद्देश्य को सामने रखते हुए बाबूराम तुषार ने शाहबाद हल्के में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। उनका पैतृक गांव शाहबाद हल्के का नामी गांव लूखी है। जहां पर उनके परिवार के अनेक सदस्य रह रहे है। पिछले कई माह से वे शाहबाद हलके के गांव में जाकर लोगों से मुलाकात कर रहे है। ग्रामीणों के साथ राजनीति में आने का अपना उद्देश्य उनके साथ शेयर कर रहे हैं।

बता दें पिछले दिनों कॉंग्रेस के एक कदावर नेता ने उनके साथ लम्बी राजनीतिक गुफ्तगू भी की थी हालांकि वे अभी कांग्रेस पार्टी के किसी गुट से संबंधित नहीं है। उनका एक ही मुख्य उद्देश्य है कि कांग्रेस पार्टी को मजबूत किया जाए और आने वाले विधानसभा में चुनाव में कांग्रेस पार्टी को विजय बनाया जाए। इसी उद्देश्य को सामने रखते हुए वे शाहबाद हलके क चुनावी रण में हाथ आजमाने के लिए कूद गए हैं। अब तो भविष्य ही बतायेगा कि उनकी राजनिति कितनी कामयाब होगी।

महिला आरक्षण बिल अब तक का सबसे बडा जुमला : सुदेश चौधरी पार्षद

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, निवर्तमान पार्षद सुदेश चौधरी ने कहा है कि केंद्र की मोदी सरकार महिला आरक्षण बिल से देश की महिलाओं को गुमराह करने के साथ साथ महिलाओं के साथ छल कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने संसद में महिला आरक्षण बिल पास तो करवा दिया, लेकिन यह देश की महिलाओं के लिए जुमला साबित होगा, क्योंकि यह बिल जनगणना और परिसीमन के बाद ही लागू होगा। जनगणना कब होगी जनगणना में कई साल लग जाएंगे और परिसीमन करने में भी लंबा समय लगेगा। ऐसे में मोदी सरकार बेवजह इस बिल को लेकर अपनी पीठ थपथपा रही है, लेकिन जबकी सच्चाई ये है कि इस बिल से अभी महिलाओं को राजनितिक कोई भला होने वाला नहीं है।

सुदेश चौधरी ने कहा कि अगर वास्तव में केंद्र की सरकार महिलाओं को राजनीति मे बराबर का हक देना चाहती है तो वे 2024 में महिला आरक्षण विधेयक को लागू करवाते। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी ने 1989 में सर्वप्रथम महिलाओं को उनके अधिकार देने की कवायद शुरू की थी और उन्होंने सबसे पहले पंचायती संस्थाओं में महिलाओं को भागीदारी देने के लिए पहल की थी और बिल लेकर आए थे। राजीव गांधी ने इस बिल को पास करवाकर पंचायती संस्थाओं में महिलाओं को भागीदारी दी थी। जबकि दूसरी ओर मोदी सरकार केवल झूठी वाहवाही लेने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने बेटी बचाओ बेटी पढाओ का नारा प्रदेश के पानीपत से शुरू किया था, लेकिन आज इस नारे के उल्ट प्रदेश में महिलाओं पर ही सबसे ज्यादा अत्याचार हो रहे हैं। पानीपत मे कैसे एक परिवार को बन्धक बनाकर महिलाओ के साथ बलात्कार किया उन्होंने कहा कि भाजपा केवल दिखावे की राजनीति कर रही है। देश की जनता भाजपा की असलियत जान चुकी है। देश ओर प्रदेश मे जनता ने इनको सता से बाहर करने का मन बना लिया है।

GAJAB HARYANA

गरीबों के लिये जितनी अधिक योजनायें, समाज उतना ही सुखी : मनोहर

19वां जनसंवाद कार्यक्रम, सुनीं लोगों की समस्यायें

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि सरकारी साधनों पर पहला हक गरीबों का है। सरकार की ओर से गरीबों के लिये जितनी अधिक योजनायें बनेंगी, समाज उतना ही सुखी होगा। गरीबों में असंतोष होगा तो साधन संपन्न लोग भी सुखी नहीं रह सकते। सरकार भी गरीबों/वंचितों के विकास के लिये प्रयत्नशील है। मुख्यमंत्री सोमवार देर शाम यहां वार्ड 9 में सेक्टर 7 के सामुदायिक केंद्र में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे थे। करनाल विधानसभा क्षेत्र का यह 19 वां जनसंवाद कार्यक्रम था। हलके में अभी 7 और जनसंवाद कार्यक्रम होने हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार महीने भीतर इन कार्यक्रमों का आयोजन कर दिया जायेगा। एक दिन पहले ही सूचना देने पर सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये उन्होंने लोगों को बधाई दी। इस मौके पर उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों की समस्यायें भी सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके निपटान के निर्देश दिये।

जन्म दिवस पर शुभकामना संदेश

श्री मनोहर लाल ने व्यवस्था परिवर्तन के लिये कई गई दो-तीन नई चीजों को जानकारी देते हुये बताया कि सरकार ने पहली बार हर परिवार का पहचान पत्र(फैमिली आईडी) बनाया है। पीपीपी में दर्ज जानकारी पूरी पूरी तरह से स्टीक है। अब जन्म लेने वाले हर शिशु और दिवंगत व्यक्ति की सूचना भी दर्ज होती है। पीपीपी के आधार पर किसी भी शहर की आबादी की सही जानकारी का पता चल जाता है। उन्होंने बताया कि अब हर व्यक्ति के जन्म दिवस पर शुभकामना संदेश प्रेषित करने का काम भी शुरू किया गया है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने 25 सितंबर को जन्मे प्रवीण बेनिवाल व एक अन्य व्यक्ति को मंच पर बुलाकर बधाई दी और मुंह मीठा कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 2 करोड़ 80 लाख लोग ही उनका परिवार हैं। वे सभी की चिंता करते हैं। गरीब बच्चों की शिक्षा, बीमार होने पर उनके इलाज की व्यवस्था और गरीबों की आय बढ़ाने के लिये सरकार ने कई कदम उठाये हैं।

आयुष्युमान/चिरायु योजना से 29 लाख परिवार लाभांवित

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान भारत योजना लागू की है जिसमें नागरिकों को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराया जाता है। केंद्र ने इसके लिये 1.20 लाख रुपये सालाना आय की शर्त लगाई है। राज्य सरकार ने इसे चिरायु हरियाणा के जोड़ते हुये आय सीमा 1.80 लाख हजार रुपये की। करीब 29 लाख ऐसे परिवार हैं जिन्हें आयुष्मान/ चिरायु योजना का लाभ मिल रहा है। अधिक लोग चिरायु योजना का लाभ उठा सकें इसलिये सरकार ने अब इसका विस्तार करते हुये सालाना आय सीमा बढ़ा कर 3 लाख रुपये कर दी है। हालांकि इस आय वर्ग के लोगों को सालाना 15 सौ रुपये का प्रीमियम चुकाना होगा। लाभार्थी सरकारी अथवा निजी सूचीबद्ध अस्पताल में 5 लाख रुपये तक का इलाज करा सकते हैं।

पैंशन के लिये नहीं काटने पड़ते दफ्तरों के चक्कर

उन्होंने तीन लाख रुपये तक की सालाना आय वालों को बुढ़ापा पैंशन 2750 रुपये देने की जिक्र करते हुये बताया कि अब पीपीपी में दर्ज आय के आधार पर स्वत- प्रदेश के करीब 80 हजार लोगों की पैंशन बनी है। पात्रों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने पड़ते। हरियाणा पहला ऐसा राज्य है जहां अब विधुरों को भी 40 साल की आयु के बाद 2750 रुपये महीना पैंशन दी जा रही है। इतना ही नहीं कुंवारों(45 से 60) को भी पैंशन देने का निर्णय लिया गया है।

श्री मनोहर लाल ने कहा कि एचएचवीपी और लाईसेंसधारी फ्लैट बनाने वाले डेवलपर्स के लिये यह जरूरी किया गया है कि वे फ्लैट होल्डर को रजिस्ट्री कराते समय तोहफे के रूप मेंसाइकिल भी दें। घर में मुहूर्त के समय साइकिल लाकर उसकी पूजा की जानी चाहिये। साइकिल चलाने से सेहत भी तंदुरूस्त रहती है। समाज को सुखी बनाने के लिये स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरसुक्षा, स्वालंबन, स्वाभिमान की ओर ध्यान देना जरूरी है। समाज की खुशहाली के लिये बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण, जल सरंक्षण, मद्य निषेध आदि की ओर भी ध्यान दिया चाहिये। लोगों से अपील की कि वे अपनी शिकायतों अथवा मांग पत्र पर फोन नंबर अवश्य अंकित करें ताकि शिकायत को पोर्टल पर दर्ज करने और उस पर की गई कार्यवाही से अवगत कराने में कोई दिक्कत न हो।

इससे पहले पार्षद मुकेश अरोड़ा ने सीएम से पार्क को कंवर्ट न करने तथा ब्रह्माकुमारी मिशन को सेंटर वास्ते जमीन उपलब्ध कराने की मांग की।

लोगों की सुनीं समस्यायें

इसके बाद मुख्यमंत्री ने लोगों की शिकायतें सुनीं। पंडाल में मौजूद लोगों से हाथ खड़े करवाकर पूछा किकिनकी अभी तक बुढ़ापा पैंशन और किसके परिवार पहचान पत्र नहीं बने हैं। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि मंगलवार तक इनकी पैंशन व पीपीपी बन जाने चाहियें। विधवा पुष्पा भाटिया के घर का 1.90 लाख रुपये के बिजली बिल का निपटारा करने के लिये विद्युत निगम के अधिकारी को निर्देश दिये। बताया गया कि विधवा की मासिक आय पैंशन के रूप में मात्र 2750 रुपये है। वरिष्ठ नागरिक मंच के ओपी गर्ग की शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर छाता लगवाने की मांग पर सीएम ने मूल्मूयांकन(असेसमेंट) कराने का आश्वासन दिया। बीके निर्मला ने सेंटर के लिये सेक्टर 9 में जमीन उपलब्ध कराने की मांग की जिस पर सीएम ने एचएसवीपी के ईओ को निर्देश दिये कि सामाजिक/धार्मिक संस्थाओं के लिये सेक्टर में छोड़ी जगह का पता कर पार्षद मुकेश को सूचित करें।

उसके बाद ही विज्ञापन निकालकर

नियमानुसार आगे की कार्यवाही की जाये। कहा कि 9 सेक्टर में जगह नहीं होगी तो आसपास के सेक्टरों में तलाश की जायेगी। ओमवीर राणा ने सेक्टर 9 में क्रिकेट अकादमी की चारदीवारी कराने, ट्रेकिंग सिस्टम का निर्माण कराने की मांग की। इस पर उपायुक्त ने कहा कि दो सप्ताह के भीतर टेंडर लगा दिये जायेंगे। सीएम ने कहा कि 6 सप्ताह में काम शुरू करा दिया जायेगा। श्री राणा ने अटल पार्क के पास गीता द्वार बनवाने की मांग भी रखी। सेक्टर 7 के अमित ने 500 घरों को को पार्श्वनाथ में दस साल से पोजेशन न मिलने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने टाउन एंड प्लानिंग विभाग के अधिकारियों से बातचीत कर कार्यवाही का भरोसा दिया। एक अन्य व्यक्ति ने सेक्टर आठ-सात के चौक पर यातायात ट्रैफिक पुलिस कर्मचारी तैनात करने की मांग की। इस पर एसपी ने मौके का दौरा कर उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया।

ये रहे मौजूद।

इस मौके पर घरौंडा हलका के विधायक हरिवंद्र कल्याण, मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि संजय बठला, नगर निगम की महापौर रेणु बाला गुप्ता, उपायुक्त अनीश यादव, एसपी अधीक्षक शशांक कुमार सावन, अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा, नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा, एसडीएम घरौंडा अदिति, पार्षद मुकेश अरोड़ा, भाजपा जिला अध्यक्ष योगेंद्र राणा, आरडब्ल्यूए प्रधान ओमवीर राणा, संजीव बजाज, शक्ति केंद्र प्रमुख श्याम लाल, प्रवीण लाठर, सुनील गुप्ता व विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

नई खोज से जीवन बदलने की होड़

दुनिया में कई ऐसी खोजें हो रही हैं, जो हमारे जीने का तरीका बदल देंगी। भविष्य के ये आविष्कार मानव जाति के हर पहलू को तेजी से प्रभावित करेंगे और जीवन को बदलने की क्षमता से युक्त होंगे। इसमें पहला है ऑप्टिकल इल्यूजन, जिसका इस्तेमाल युद्ध के समय सेना कर भी सकती है, जिसमें दुश्मन सामने वाले को देख न सके। दूसरा आविष्कार नई तरह की आंखें विकसित करने से संबंधित है। तीसरा चमत्कार होगा भविष्य में जीवाणु से बनने वाली इमारतें और चौथी प्रमुख खोज है अपरिपक्व बच्चे का दिमाग विकसित करने वाला संगीत। इसके अलावा कुछ और भी नई तकनीकें हैं, जो आज की दुनिया के स्वरूप को बदल सकती हैं। तकनीक ही मानव के विकास का आधार तैयार करती है। आप्टिकल इल्यूजन के बारे में कनाडा की हाईपर स्टील्थ बायोटेक्नोलॉजी का दावा है कि यह बहुत ही हल्के पदार्थ (लाइट बैटिंग मैटीरियल) से बने हैं और इनके पीछे रखा सामान दिखाई नहीं देता है।

इस कंपनी का कहना है कि यह पदार्थ किसी वस्तु के आसपास मौजूद रोशनी की दिशा को मोड़ देता है, जिससे यह प्रभाव मिलता है और इस कारण सिर्फ पृष्ठ भाग नजर आता है। इस तकनीक का इस्तेमाल सैन्य उद्देश्य के लिए किया जाएगा। इसी तरह अमेरिका की यूनिवर्सिटी आफ मिनेसोटा के वैज्ञानिक लोगों में खास तरह की आंखें तैयार करने की तकनीक पर काम कर रहे हैं। ये थ्री-डी प्रिंट वाली बायोनिक आंखें हैं। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि एक दिन इससे दृष्टिहीन लोगों को भी देखने में मदद मिलेगी। हालांकि कुछ कंपनियों ने पहले ही इस तरह की बायोनिक आंखों का प्रत्यारोपण किया है, जैसे रेटिना प्रत्यारोपण, जिसमें चश्मे पर छोटे कैमरे का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन थ्री-डी प्रिंट वाली आंखें कुछ इस तरह काम करती हैं कि रेटिना की कोशिकाएं जो रोशनी को ग्रहण करती हैं, उसे विद्युतीय संकेतों में बदल देती हैं और ये संकेत मस्तिष्क तक पहुंचते हैं। इसलिए आप्टिकल से इलेक्ट्रिकल की इस प्रक्रिया को उस डिवाइस का इस्तेमाल करते हुए फिर से दोहराने की जरूरत होती है, जो आंख की तरह ही घुमावदार आकार में हो और इस तकनीक में यही किया जाता है।

वैज्ञानिकों का मकसद प्रकाश के प्राप्तकर्ता को नरम सतह पर स्थापित करना है, जिसे बिना बाहरी कैमरे के एक आंख पर लगाया जा सके। अभी तक जीवाणुओं और विषाणुओं का नाम हमारे भीतर हलचल के साथ ही एक तरह का डर भी पैदा करता रहा है। पर विज्ञान अब इतना आगे निकल चुका है कि इन्हीं जीवाणुओं की मदद से हम अपनी रिहाइश भी तैयार करने में जुटे हैं। वैज्ञानिक जीवाणुओं से इमारतें बनाने की दिशा में भी काम कर रहे हैं। रेत, जेल और जीवाणु का इस्तेमाल करके 'जीवित कंक्रीट' तैयार करने पर काम चल रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ऐसी जीवित इमारतों का भविष्य दूर नहीं है। यह सामग्री खुद अपनी दरारें भर सकेगी और विषाक्त पदार्थों को हवा से सोख भी सकेगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि पर्यावरण के लिए कंक्रीट से ज्यादा बेहतर जीवाणुओं से बनी सामग्री है। दुनिया में उत्सर्जित होने वाला आठ फीसद कार्बन डाईआक्साइड सीमेंट से आता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि 'जीवित ईंटों' में खुद उत्पन्न होने की क्षमता है। ये उतनी ही मजबूत होती हैं जितना इमारतों में आजकल इस्तेमाल होने वाला चूना। यह अभी शुरुआत है, पर संभावनाएं अंतहीन हैं। अपरिपक्व बच्चे का दिमाग बढ़ाने वाले संगीत पर भी वैज्ञानिक काम कर रहे हैं।

आज दुनिया के समक्ष सबसे बड़ा संकट ऊर्जा के स्रोतों का खत्म होना है। अगर इनका कोई ठोस विकल्प जल्द ही नहीं खोजा गया तो वह वक्त दूर नहीं, जब पूरी दुनिया अंधेरे में डूब जाए। इसलिए वैज्ञानिक अब नित नए ऊर्जा विकल्पों की तलाश में जुटे हैं। हाल में वैज्ञानिकों ने सस्ते नैनोट्यूब हाइड्रोजन ईंधन की खोज की है, जो सस्ती ऊर्जा का बेहतर विकल्प साबित हो सकता है।

संगीत से मनुष्य का संबंध जन्म से पहले हो जाता है। अध्ययन बताते हैं कि गर्भ में मौजूद बच्चे को संगीत सुनाना उसके मस्तिष्क के विकास में काफी अहम भूमिका निभाता है और इससे तंत्रिका पुलों को भी मजबूती मिलती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि बेहद अपरिपक्व मस्तिष्क वाले बच्चों के विकास में संगीत की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। खास तरह का संगीत इसमें काफी मददगार साबित हो रहा है। कमजोर नवजात बच्चे के दिमाग को विकसित करने के लिए स्विटजरलैंड यूनिवर्सिटी में वैज्ञानिकों ने एक कंपोजर की मदद से एक विशेष संगीत तैयार किया है। इस संगीत में बांसुरी, वीणा व घंटियों का इस्तेमाल हुआ है। शुरुआती जांच से पता चला है कि संगीत सुनने वाले बच्चों का दिमाग बेहतर विकसित हुआ। टेलीपैथी शब्द का मतलब उस वैज्ञानिक तकनीक से है, जिसमें किसी एक व्यक्ति की सोच किसी दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है, यानी जो आप सोच रहे हैं, उसे हजारों किलोमीटर दूर बैठे व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है।

अब वैज्ञानिकों ने दिमाग से दिमाग के बीच होने वाले संचार को खोज निकाला है। इसे बार्सीलोना के स्टार लैब और फ्रांस के ऑक्सियम रोबोटिक्स इन स्टारबर्ग ने खोजा है। यह परियोजना अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन इसमें आठ हजार किलोमीटर की दूरी पर बैठे लोगों के बीच संचार स्थापित करने में सफलता मिल चुकी है। आने वाले समय में आप अपनी सोच किसी को भी इस तकनीक के माध्यम से बता सकते हैं। अब बात है ऊर्जा की। आज दुनिया के समक्ष सबसे बड़ा संकट ऊर्जा के स्रोतों का खत्म होना है। अगर इनका कोई ठोस विकल्प जल्द ही नहीं खोजा गया तो वह वक्त दूर नहीं, जब पूरी दुनिया अंधेरे में डूब जाए। इसलिए वैज्ञानिक अब नित नए ऊर्जा विकल्पों की तलाश में जुट गए हैं। हाल में वैज्ञानिकों ने सस्ते नैनोट्यूब हाइड्रोजन ईंधन की खोज की है, जो सस्ती ऊर्जा का बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। अमेरिका की रटगर्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने कार्बन हाईड्रोजन ईंधन को ऊर्जा की तरह प्रयोग करने का विकल्प खोजा है।

अगर मोटे तौर पर समझें तो वैज्ञानिकों ने कार्बन नैनो ट्यूब को विद्युत अपघटन (इलेक्ट्रोलेसिस) की मदद से हाईड्रोजन ईंधन में बदलने का तरीका खोज निकाला है। इसी तरह हमारे चारों तरफ डेटा है। यह किसी भी रूप में हो सकता है, चाहे सेलफोन को ले लीजिए या फिर क्लाउड सर्वर के रूप में। न्यूयार्क की मिशिगन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक ऐसी डिवाइस बनाई है, जिसकी मदद से ज्यादा से ज्यादा डेटा कम जगह में संग्रहित किया जा सकता है। खून ही हमारा जीवन है, जो शरीर को चलाने का काम करता है। लेकिन जब हमें खून की जरूरत पड़ती है और उस समय खून न मिले, तो जान को खतरा हो सकता है। मगर अब कृत्रिम लाल और सफेद रक्त कोशिकाओं की मदद से किसी को भी आसानी से खून मिल सकेगा। चिकित्सा विज्ञानियों ने ओ निगेटिव कोशिकाएं, जो यूनिवर्सल डोनर है, बनाने में कामयाबी हासिल कर ली है। यानी आने वाले समय में किसी को भी खून की कमी नहीं होगी।

कैंसर हर साल दुनिया में करोड़ों लोगों की जान ले लेता है, लेकिन अब वैज्ञानिकों ने डीआइएक्सडीसी-1 नाम का एक जीन खोज निकाला है, जो कैंसर को रोकने में कारगर साबित होगा। सवाल है कि तकनीक को ऐसा कैसे बनाया जा सकता है कि अधिकतम लोगों को यह ज्यादा कुदरती ढंग से सुलभ हो। यह तभी संभव होगा जब कंप्यूटर आपकी आंखों के सामने होगा और आप असल दुनिया और आभासी दुनिया में फर्क तक नहीं कर पाएंगे। यह मिश्रित यथार्थ की दुनिया होगी। यह बुनियादी स्थानांतरण और बदलाव का एक पहलू है।

जरनैल सिंह

कांशीराम की पुण्यतिथि विशेष(9 अक्टूबर)

जानें उस 'संन्यासी' की कहानी, जिसने बदल दी भारत की सियासत

उपेक्षा की चोट से व्यथित इस सन्यासी ने न केवल आरक्षित कोटे से मिली नौकरी छोड़ दी बल्कि आजीवन कुंवारा रहकर गांव-परिवार-रिश्तेदार सभी का त्याग कर दलितों के उत्थान के लिए जीवन समर्पित कर देने का वादा किया। अपनी मां को भेजे 24 पन्नों के खत में उन्होंने कहा कि वे अब सन्यास ले रहे हैं। हम बात कर रहे हैं बसपा के संस्थापक कांशीराम की।

बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम का जन्म रोपड़ जिले के खवासपुर गांव में हुआ था। पहले इनका परिवार दलित था। बाद में समाजिक उपेक्षा के चलते परिवार ने सिख धर्म अपना लिया। सिख धर्म अपनाने से भले ही ऊंची जातियों के बराबर की हैसियत नहीं मिली पर दलितों उपेक्षाओं और दमन का अपमान नहीं सहना पड़ा। इधर 1956 में ग्रेजुएट होने के बाद कांशीराम को 1958 में पुणे के पास स्थित किरकी के डीआरडीओ में आरक्षण के तहत लैब असिस्टेंट की नौकरी मिल गई। वे नौकरी कर रहे थे तभी महाराष्ट्र की अनुसूचित जातियों जैसे महारों और मातंगों के सामाजिक उत्पीड़न और आर्थिक शोषण से हैरान रह गए थे। इधर डीआरडीओ में भी उनके साथ भेदभाव होने लगा। इन सबसे वे व्यथित हो गए।

डीके खापर्डे से हुई मुलाकात से जिंदगी को मिला लक्ष्य

कांशीराम की मुलाकात डीके खापर्डे से हुई। अजय बोस ने अपनी किताब %बहनजी% में लिखा है महार बौद्ध खापर्डे एक प्रतिबद्ध अंबेडकरवादी थे। यहीं से कांशीराम ने बाबा साहेब को ठीक ढंग से जाना। इसके बाद कांशीराम ने नौकरी छोड़ दी और फुल-टाइम एक्टिविस्ट बन गए।

फिर मां को लिखा वो 24 पन्नों का वो खत...

उन्होंने गांव में अपनी मां को चौबीस पन्नों का एक खत भेजा। खत में लिखा कि संन्यास ले रहे हैं और अपने परिवार के साथ सभी संबंधों को तोड़ दिया। कांशीराम ने न केवल अविवाहित रहने की कसम खाई, बल्कि उन्होंने यह भी कहा कि वह शादी, जन्मदिन या अंतिम संस्कार जैसे पारिवारिक कामों के लिए अपने गांव के घर कभी नहीं लौटेंगे। कांशीराम ने अपनी मां को लिखा कि उनका बाकी जीवन दलितों के उत्थान के लिए समर्पित होगा।

शुरूआत RPI से हुई पर जल्द ही मोहभंग हो गया।

साठ के दशक के मध्य में वह एक दलित संगठन, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के सदस्य बन गए, जिसका महाराष्ट्र में मजबूत असर था। मगर बाद में उनका आरपीआई से मोहभंग हो गया। कांशीराम को लगा था कि आरपीआई अंबेडकर के विजन से भटक रही है।

कांशीराम की नजर युवाओं पर थी, फिर बना बामसेफ

कांशीराम देशभर के दलितों को एकजुट करना चाहते थे। उनकी युवाओं पर खास नजर थी। ऐसे में 14 अक्टूबर 1971 को कांशीराम ने अपना पहला संगठन - अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कर्मचारी कल्याण संघ बनाया। 14 अप्रैल 1973 में दिल्ली में तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। कांशीराम और उनके सहयोगियों ने इस संघ को एक राष्ट्रीय संघ में बदलकर नाम दिया अखिल भारतीय पिछड़ा और अल्पसंख्यक समुदाय कर्मचारी संघ (बामसेफ)। बामसेफ को 6 दिसंबर 1978 को, अंबेडकर की पुण्यतिथि पर फिर से लॉन्च किया गया।

बना डी एस -4, जानिए क्यों पड़ी इसकी जरूरत

सत्तर के दशक के आखिर तक कांशीराम को एहसास हो गया था कि बामसेफ बहुजन समाज के उनके सपने को साकार करने में असमर्थ है। इसके बाद बहुजनों को संगठित करने के लिए 1981 में डीएस-4 (दलित-डी शोषित-एस, समाज-एस, संघर्ष-एस समिति-एस,) की स्थापना की।

अपर कास्ट के खिलाफ जमकर गूंजे ये नारे

डीएस-4 बनने के बाद नारे भी गूंजे- 'ठाकुर, ब्राह्मण, बनिया छोड़, बाकी सब हैं डीएस-4'। बात यहीं खत्म नहीं हो गई। साल 1983 में कांशीराम ने जब दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में घूमकर दलितों के दयनीय हालात देखे तो और व्यथित हो गए। इसके बाद वो नारा गूंजा जो बहुत विवादों में रहा- तिलक, तराजू और तलवार, इनको मारो जूते चार। ये नाजरा एक समय तक खूब चला पर सियासत में एक चीज हमेशा नहीं रहती। बसपा को लगा कि ऊंची जातियों से तौबा करके केवल सियासत में नहीं रहा जा सकता। ऐसे में बसपा अपरकास्ट को लुभाने के लिए मैदान में उतरी। जब-जब इन नारों का जिक्र हुआ तो पार्टी ने इन नारों से खुद के संबंधों को खारिज का नकार दिया।

ऐसे हुआ बसपा का जन्म...

वक्त आया तब कांशीराम ने 1984 में बसपा (बहुजन समाज पार्टी) की नींव रखी। डीएस-4 बनने से पहले ही मायावती कांशीराम की मुहिम से जुड़ चुकी थीं। कांशीराम की बेहद खास रहीं मायावती का सियासी कद सही मायने में तब बढ़ा था, जब 1993 में समाजवादी पार्टी (एसपी) और बीएसपी ने गठबंधन के तहत यूपी विधानसभा चुनाव लड़ा और जीत हासिल कर सरकार बनाई। इस सरकार में एसपी नेता मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री बने थे, लेकिन मायावती का जिस तरह से सरकार में दखल था, उसके आधार पर उन्हें सुपर चीफ मिनिस्टर तक कहा जाने लगा। इस सरकार के दौरान मायावती ने दलितों के हित में आवाज भी उठाई।

यूपी में पहली बार दलित सीएम बनीं मायावती

1995 में बीएसपी और एसपी का गठजोड़ टूटने के बाद जब मुलायम सिंह की अगुवाई वाली सरकार गिरी तो मायावती भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का बाहरी समर्थन हासिल कर मायावती उत्तर प्रदेश की पहली दलित मुख्यमंत्री बनीं। फिर जब 1996 के विधानसभा चुनाव हुए तो कोई पार्टी सरकार बनाने की स्थिति में नहीं थी, ऐसे में कुछ वक्त तक राज्य में राष्ट्रपति शासन रहा. अप्रैल 1997 में, 174 विधायकों वाली बीजेपी का 67 सीट जीतने वाली बीएसपी के साथ एक समझौता हुआ। इस समझौते के तहत 6-6 महीने के अंतराल पर दोनों पार्टियों से एक-एक मुख्यमंत्री बनाने पर सहमति बनी। इसके तहत मायावती पहले 6 महीने मुख्यमंत्री रहीं। मगर सियासी उठापटक के बीच बीएसपी का बीजेपी से समझौता टूट गया।

मायावती तीसरी बार सीएम बनीं और फिर...

इसके बाद जब 2002 के विधानसभा चुनाव के बाद भी जब कोई पार्टी अपने दम पर सरकार बनाने की स्थिति में नहीं थी, तो मार्च से लेकर मई 2002 तक राष्ट्रपति शासन रहने के बाद बीजेपी ने बीएसपी को समर्थन दिया और मायावती तीसरी बार राज्य की मुख्यमंत्री बनीं। मगर इस सरकार के सामने लगातार चुनौतियां आती रहीं,

ऐसे में मायावती ने अगस्त 2003 में इस्तीफा दे दिया।

9 अक्टूबर 2006 को फिर दलित समाज को हुकमरान समाज बनाने का सपना दिल में लेकर हमेशा के लिए सो गए।

9 अक्टूबर 2006 को कांशीराम का दिल्ली में निधन हो गया था। उनकी 16वीं पुण्यतिथि पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक बार फिर दलित समाज को हुकमरान समाज बनने के लिए कमर कसने को कहा है। कांशीराम की मूर्ति पर माल्यापर्ण कर मायावती ने एक बार फिर कांशीराम के संघर्षों का पन्ना पलटा।

इस मौके पर हम बता रहे हैं इस सन्यासी की वो कहानी जिसने भारत की सियासत बदल दी। सियासत में एक ऐसा राजनीति मंच उभरा जहां ऊंची जातियों से साफ कह दिया गया कि वे यहां से चले जाएं। दलित के शोषण से दुखी इस संत ने 90 के दशक में कई ऐसे नारे दिए जिसने भारतीय राजनीति की दशा और दिशा बदली।

महात्मा गांधी जयंती विशेष (2 अक्टूबर)

हमारे देश की आजादी में पूरे देश को एकीकृत करने वाले महात्मा गाँधी को पूरी दुनिया में आदर और सम्मान की निगाहो से देखा जाता है। महात्मा गाँधी का जीवन एक साधारण मनुष्य से शुरू होकर अपने त्याग और परिश्रम के बल पर महात्मा बनने का सफर है।

भारत की आजादी की लड़ाई के दौरान गांधीजी द्वारा सत्य और अहिंसा के बल पर अंग्रेजो से लोहा लिया गया था और कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने कभी अहिंसा का साथ नहीं छोड़ा। अपनी आत्मकथा 'सत्य के मेरे प्रयोग' में भी महात्मा गाँधी द्वारा अपनी जीवन यात्रा का वर्णन किया गया है।

अपने जीवन की मुश्किलों और कठिनाईयों के बावजूद भी अपने जीवनमूल्यों के दम पर गांधीजी ने मुश्किलों का सामना किया और देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इसके पश्चात उनका परिवार राजकोट में आकर बस गया था। बॉम्बे यूनिवर्सिटी से मेट्रिक परीक्षा पास करने के बाद उन्होंने 'सामलदास कॉलेज' में दाखिला लिया परन्तु वहां गाँधीजी को खास रूचि नहीं आयी। इसके बाद उच्च शिक्षा के लिए वे इंग्लैंड चले गए। इसके बाद इंग्लैंड से उन्होंने बैरिस्टर की डिग्री प्राप्त की।

गांधीजी का विवाह 13 वर्ष की अल्पायु में ही कस्तूरबा गांधी से हो गया था जिसके पश्चात 15 वर्ष ही आयु में ही गांधीजी के पहले पुत्र का जन्म हुआ परन्तु यह बालक अल्पायु था और जन्म के कुछ समय पश्चात ही इसकी मृत्यु हो गयी। गांधीजी के 4 पुत्र थे जिनका नाम हरिलाल, रामदास, मणिलाल, देवदास था। कस्तूरबा गाँधी ने गांधीजी का जीवन भर सभी आंदोलनों में साथ दिया और एक सच्ची सहभागिनी की तरह जीवन भर गांधीजी के साथ रही।

महात्मा गांधी की दक्षिण अफ्रीका यात्रा

इंग्लैंड से अपनी बैरिस्टरी पूरी करने के पश्चात गांधीजी राजकोट में आकर वकालत करने लगे। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका में भारतीय व्यापारी सेठ अब्दुल्ला के बुलावे पर वे उनका मुकदमा लड़ने के लिए दक्षिण अफ्रीका चले गए।

वहां डरबन से ट्रैन के माध्यम से उन्हें प्रिटोरिया जाना था जिसके लिए उन्होंने रेल की फर्स्ट क्लास का टिकट लिया। उन दिनों अफ्रीका में अश्वेत और एशियन लोगो को फर्स्ट क्लास डिब्बे में बैठने की अनुमति नहीं थी इसलिए अंग्रेज टिकट चेकर ने गांधीजी को पीटरमारिट्जबर्ग स्टेशन पर धक्के मारकर बाहर निकाल दिया।

इस घटना ने गांधीजी को अंदर से झकझोर दिया और उन्होंने इस नस्लभेद के खिलाफ आवाज उठाने का बीड़ा उठा लिया। कई इतिहासकार इस घटना को मोहनदास करमचंद गाँधी की महात्मा गांधी बनने की यात्रा में महत्वपूर्ण कदम मानते है। इसके पश्चात उन्होंने अफ्रीका में नस्लभेद के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए 1894 में नेटल कांग्रेस की स्थापना की।

महात्मा गांधी का भारत आगमन और स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

दक्षिण अफ्रीकी में नस्लभेद के खिलाफ संघर्ष करने के पश्चात गांधीजी 9 जनवरी 1915 को स्वदेश लौटे और देश की स्वतंत्रता में अपना योगदान देना शुरू किया। गांधीजी की अफ्रीका यात्रा से लौटने के उपलक्ष में 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है।

गांधीजी ने गोपाल कृष्ण गोखले को अपना राजनीतिक गुरु माना था जिनकी सलाह पर उन्होंने एक वर्ष तक भारत भ्रमण करके देश को समझा। गांधीजी द्वारा भारत के स्वतंत्रता संग्राम में 3 मुख्य राष्ट्रव्यापी आंदोलन चलाये गए थे जो इस प्रकार है :-

1.असहयोग आंदोलन- सन 1920 में
2.अवज्ञा आंदोलन - सन 1930 में
3.भारत छोड़ो आंदोलन - सन 1942 में

इन आंदोलनों के माध्यम से गांधीजी ने पूरे देश की जनता को एकता के सूत्र में बाँधने का का काम किया जिससे की देश आजादी की ओर अग्रसर हुआ और परिणामस्वरूप देश को विदेशी शासन से आजादी मिली।

महात्मा गांधी द्वारा किए गए आंदोलन

महात्मा गाँधी द्वारा देश में कई प्रमुख आंदोलन किये गए जिन्हे देश की जनता भरपूर समर्थन प्राप्त हुआ। गांधीजी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर 3 मुख्य आंदोलन

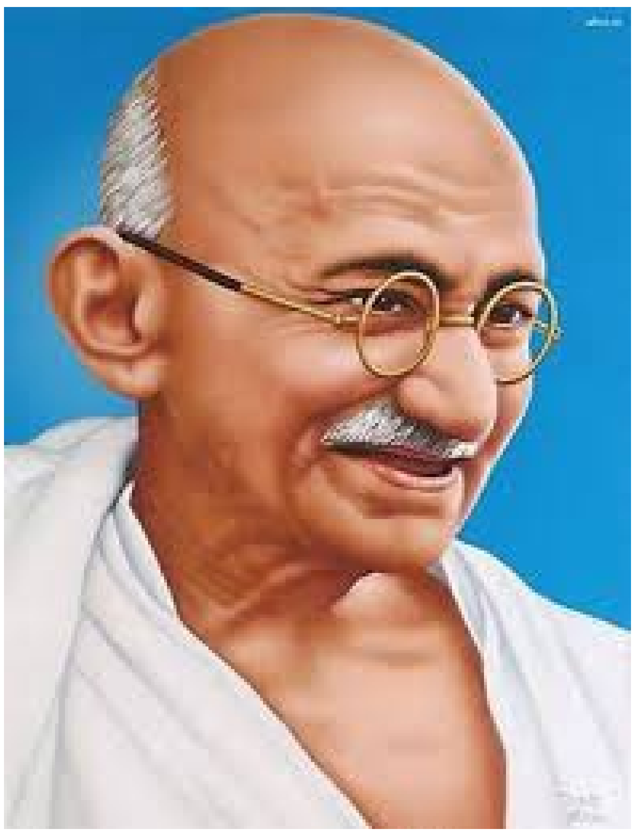

किया गए थे और कई अन्य आंदोलनों को भी समर्थन दिया गया था। गाँधीजी द्वारा प्रमुख आंदोलनों का विवरण इस प्रकार है।

चम्पारण सत्याग्रह

स्वदेश लौटने के पश्चात गांधीजी का सत्याग्रह का पहला प्रयोग बिहार के चम्पारण में किया गया था। राजकुमार शुक्ल नामक किसान के आग्रह पर गांधीजी उत्तर भारत के नील उत्पादक किसानों की दशा देखने आये। ब्रिटिशर्स द्वारा किसानो को जबरदस्ती नील की खेती के लिए मजबूर किया जा रहा था और इसके बदले में किसानो को मिलने वाली आमदनी भी कम थी। गांधीजी के सत्याग्रह के परिणामस्वरूप ब्रिटिशर्स को अपनी नीति में बदलाव करना पड़ा था।

अहमदाबाद मिल-मजदूर आंदोलन

चम्पारण के पश्चात गांधीजी ने अहमदाबाद में कॉटन मिल-मजदूरों के समर्थन में आंदोलन किया। अहमदाबाद में कॉटन मिल में श्रमिकों और फैक्ट्री मालिकों के बीच सैलरी को लेकर विवाद हो गया था जिसके पश्चात गाँधीजी की मध्यस्थता से दोनों पक्षों के बीच आपसी मुद्दों पर समझौता संभव हो सका।

खेड़ा सत्याग्रह

वर्ष 1918 में गुजरात के खेड़ा जिले में अकाल के कारण किसानो की फसल खराब हो गयी जिस पर किसानो द्वारा ब्रिटिश सरकार से लगान माफ करने की गुहार की गयी परन्तु ब्रिटिश सरकार द्वारा किसानो की मांग को दरकिनार करते हुए पूरा लगान चुकाने की बात कही गयी। इस पर गांधीजी के द्वारा किसानो को समर्थन दिया गया जिसके पश्चात ब्रिटिशर्स द्वारा किसानो को करों में रियायत दी गयी।

रौलेट एक्ट का विरोध

8 मार्च 1919 को ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीय राष्ट्रवादियों की गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए रौलेट एक्ट पास किया गया। इस कानून के अनुसार अंग्रेज सरकार बिना किसी गुनाह के किसी भी नागरिक को सिर्फ शक के आधार पर गिरफ्तार कर सकती थी। इसके विरोध में गांधीजी ने देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया था। इस एक्ट का विरोध करने के परिणामस्वरूप जलियांवाला बाग हत्याकांड हुआ था।

खिलाफत आन्दोलन 1919

टर्की के खलीफा को गद्दी से हटाये जाने के विरोध में मुस्लिमो द्वारा शुरू किये गए खिलाफत आन्दोलन को गांधीजी द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन को जोड़ दिया गया था जिसके पश्चात पूरे देश में सभी समुदाय के लोगो ने बढ़-चढ़ कर देश के स्वतन्त्रता संग्राम में हिस्सा लिया था।

दलित आंदोलन

देश में फैली छुआछूत और जातपात की कुप्रथा को दूर करने के लिए 8 मई 1933 से गांधीजी द्वारा दलित आंदोलन शुरू किया गया था। इस आंदोलन के माध्यम से गांधीजी द्वारा दलित वर्ग के लोगो के प्रति होने वाले भेदभाव को दूर करने के लिए विभिन कार्यक्रम चलाये गए थे।

महात्मा गाँधी का जीवन दर्शन

महात्मा गाँधी किसी भी उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए सत्य और अहिंसा को सबसे मजबूत हथियार मानते थे। गांधीजी का मानना था की ना सिर्फ उद्देश्य पवित्र होना चाहिए अपितु उद्देश्य प्राप्त करने का साधन भी पवित्र होना आवश्यक है।

लिओ टॉलस्टॉय और हेनरी डेविड थोरो जैसे पश्चिमी विचारको का गांधीजी के जीवन पर गहरा प्रभाव था जिनसे की गांधीजी ने अहिंसा का सिद्धांत ग्रहण किया था।

गांधीजी द्वारा इन जीवन सिद्धांतो के आधार पर चरित्र निर्माण किया गया था

सत्य - गांधीजी सत्य को जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य मानते थे और इसी के आधार पर गांधीजी का सम्पूर्ण जीवनदर्शन टिका हुआ है। सत्य के माध्यम से ही वास्तविक विजय पायी जा सकती है इस कथन के आधार पर उन्होंने अपनी जीवनकथा का नाम भी 'सत्य के मेरे प्रयोग' रखा था।

अहिंसा - गांधीजी किसी भी उद्देश्य को पाने के लिए अहिंसा को प्रमुख हथियार मानते थे। गांधीजी के आंदोलनों में हम अहिंसा के सिद्धांत का प्रयोग प्रमुख रूप से देख सकते है। गांधीजी का मानना था की अहिंसा के लिए आंतरिक रूप से मजबूत होना आवश्यक है।

सादगी - सादगी में गांधीजी का दृढ विश्वास था। गांधीजी का मानना था की जब तक हम अपने जीवन में सादगी नहीं अपना लेते तब तक समाज में अमीर और गरीब की खाई को नहीं पाटा जा सकता है। सादगी का पालन करने के लिए गांधीजी द्वारा पूरी उम्र एक ही खादी धोती का उपयोग किया गया।

विश्वास - गांधीजी द्वारा विभिन धर्म के लोगो के मध्य एकता बनाये रखने के लिए विश्वास को प्रमुख तत्त्व माना गया था। गांधीजी का मानना था की विभिन धर्म के लोगों के बीच सांप्रदायिक सौहार्द बनाये रखने के लिए आवश्यक है की लोग एक दूसरे के धर्मो के आवश्यक तत्वों को ग्रहण करें एवं आपसी समझ में वृद्धि को बढ़ावा दे।

ब्रह्मचर्य - गांधीजी आध्यात्मिकता शुद्धि के लिए देशवासियों को सदैव ब्रह्मचर्य पालन का उपदेश देते थे।

गांधीजी द्वारा संचालित समाचारपत्र

देश में स्वतंत्रता आंदोलनों हेतु जनता को जागरूक करने के लिए गांधीजी द्वारा विभिन समाचारपत्रों का संचालन किया जाता था जिसके माध्यम से गांधीजी के विचारो और देश के लिए उनके संघर्ष की झलक मिलती है। गांधीजी द्वारा शुरू किये गए प्रमुख समाचारपत्र निम्न है।

इंडियन ओपिनियन - दक्षिण अफ्रीका में गांधीजी द्वारा शुरू किया गया प्रथम समाचारपत्र जिसके माध्यम से गांधीजी ने नस्लभेद के खिलाफ आवाज उठायी

नवजीवन पत्र - गांधीजी द्वारा हिंदी और गुजराती में शुरू किया गया न्यूजपेपर

यंग इंडिया - गांधीजी द्वारा अंग्रेजी में प्रकाशित साप्ताहिक पत्रिका

हरिजन - समाज में दलित वर्ग के उत्थान के लिए गांधीजी द्वारा संचालित समाचार पत्र

समाचार पत्रों के अतिरिक्त गांधीजी द्वारा कई पुस्तकों की रचना भी की गयी है जिनमे ग्राम स्वराज, दक्षिण अफ्रीका में सत्याग्रह, हिन्द स्वराज और मेरे सपनों का भारत उल्लेखनीय है। इसके अतिरिक्त गांधीजी द्वारा अपनी आत्मकथा को 'सत्य के मेरे प्रयोग' नाम से लिखा गया है।

महात्मा गांधी की मृत्यु

देश के इस महान सपूत की आजादी के सिर्फ 1 वर्ष बाद ही 30 जनवरी सन 1948 को संध्या की पूजा के लिए जाते वक्त नाथूराम गोडसे नामक हत्यारे द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गयी।

गांधीजी की मृत्यु पर दुनिया भर के महापुरुषों ने शोक जताया था। दिल्ली में राजघाट पर महात्मा गाँधी जी समाधि बनी है जो आज भी करोड़ो लोगो की प्रेरणा का स्रोत है।

शिक्षा और संस्कार के बिना कोई भी समाज नहीं कर सकता तरक्की : बनवारी

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, हरियाणा के सहकारिता एवं जनस्वास्थ्य मंत्री डा. बनवारी लाल ने कहा कि शिक्षा संस्कारों के बिना कोई भी समाज, परिवार और देश तरक्की कर नहीं सकता। इसलिए परिवार, समाज और देश की तरक्की के लिए सभी को अच्छी शिक्षा और संस्कार ग्रहण करने चाहिए। इस विषय को लेकर ही भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर ने समाज में शिक्षित बनने के लिए जागृति लाई। आज समाज के लोगों को बाबा साहेब के आदर्शों को अपने जीवन में धारण करने की जरूरत है।

हरियाणा के सहकारिता एवं जनस्वास्थ्य मंत्री डा. बनवारी लाल वीरवार को डा. बीआर अम्बेडकर हेल्थ एवं एजुकेशन समिति की तरफ से गांव मथाना (कडामी रोड) पर बने डॉ. अंबेडकर फार्मेसी कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले सहकारिता मंत्री डा. बनवारी लाल,पूर्व विधायक एवं भाजपा के प्रदेश महामंत्री डा. पवन सैनी, डा. बीआर अम्बेडकर फार्मेसी कॉलेज के चेयरमैन सूरजभान कटारिया, डेयरी विकास निगम के चेयरमैन रणधीर सिंह ने सबसे पहले भारत रत्न बाबा डा. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा एवं राष्ट्रीय ध्वज का लोकार्पण किया। इसके उपरांत सहकारिता मंत्री ने डा. बीआर अम्बेडकर हैल्थ एवं एजुकेशन समिति द्वारा बनाए जाने वाले डा. बीआर अम्बेडकर के कॉलेज के द्वितीय भवन की आधारशीला भी रखी। इस दौरान सहकारिता मंत्री ने सामाजिक समरसता सम्मान समारोह में कुरुक्षेत्र के विकास एवं अन्य सराहनीय कार्यों के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों और गणमान्य लोगों को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान सहकारिता मंत्री ने संस्थान को अपने ऐच्छिक कोटे से 11 लाख रुपए की अनुदान राशि देने की घोषणा भी की है। इस कॉलेज के परिसर में सहकारिता मंत्री बनवारी लाल ने पौधारोपण भी किया।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि बाबा साहेब के पद चिन्हों पर चलकर डा. बीआर अंबेडकर हैल्थ एवं एजुकेशन

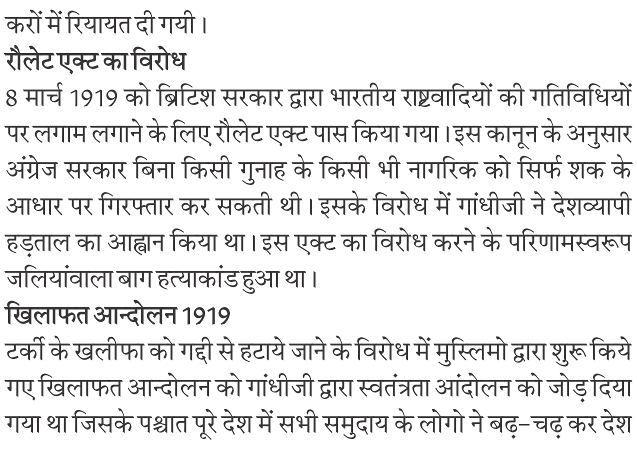

समिति द्वारा फार्मेसी कॉलेज की स्थापना करना एक सराहनीय कार्य है। इस प्रकार के शिक्षण संस्थानों से ग्रामीण आंचल के बच्चों को भी अच्छी शिक्षा ग्रहण करने का अवसर मिलता है। डा. भीमराव अम्बेडकर जैसे महान व्यक्ति किसी एक समाज या व्यक्ति के लिए नहीं थी अपितु उन्होंने पूरे समाज के लिए उनके हकों की लड़ाई लड़ी और देश के संविधान को बनाने में अपनी अहम भूमिका अदा की है। सहकारिता मंत्री ने कहा कि बाबा साहेब के पदचिन्हों पर चलकर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गरीबों के कल्याण के लिए अनेकों योजनाओं को अमलीजामा पहनाया। इस सरकार के कार्यकाल में गरीब लोगों को घर बैठे ही सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना जैसी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। प्रदेश से एकत्रित चौकीदारों ने उनका मानदेय बढ़ाने पर हरियाणा सरकार के मंत्री बनवारी लाल का भी अभिनंदन किया।

पूर्व विधायक एवं महामंत्री डा.पवन सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने लाडवा हल्के के विकास में कोई कसर नहीं छोडी। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री महात्मा ज्योतिबा फूल्ले, बाबा साहेब और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे महान लोगों के पदचिन्हों पर चलकर लोगों की सेवा करने का काम कर रहे है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के सदस्य एवं कॉलेज के चेयरमैन सूरजभान कटारिया ने सहकारिता मंत्री डॉ बनवारी लाल को सामाजिक समरसता के काम पूरे प्रदेश में करने के लिए बधाई दी और उन्होंने डॉ आंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षित करने के लिए ही ग्रामीण आंचल में डा. बीआर अम्बेडकर फार्मेसी कॉलेज स्थापित किया गया है। इस वर्ष फार्मेसी डिप्लोमे की 60 सीट मिली है।

कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के सदस्य जसवंत पठानिया ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर समाजसेवी रवि प्रकाश सरपंच प्रतिनिधि मथाना, गुरु रविदास सभा कुरुक्षेत्र के प्रधान सूरजभान नरवाल, भाजपा पूर्व जिला महामंत्री रविंद्र सांगवान, रामकुमार राहुल सुविधा, कृष्णकांत जोतवाल, जोगिंदर बैरागी, केडीबी के पूर्व सदस्य केसी रंगा, रामकरण जटिया, भाजपा नेत्री डा. शकुंतला शर्मा, पूर्व सरपंच फूल सिंह,बाबूराम तुषार , बाबूराम पूर्व सरपंच, पूर्व नायब तहसीलदार जयवीर रंगां, जगमाल सिंह चंदेल, रविदास सभा शाहबाद के प्रधान सुखबीर सिन्हा, रामकुमार खरींडवा, पूर्व सरपंच बलवान सिंह, पूर्व सरपंच ढंगाली रोशन लाल, केयू परीक्षा नियंत्रक डा. हुकम सिंह, एडवोकेट नरेश रंगा तथा ब्लॉक समिति के सदस्य सोहनपाल कर्म बैरागी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बैंक के लॉकर में रखे 18 लाख रुपए चट कर गई दीमक पीड़ित महिला ने बैंक अधिकारियों पर लगाए आरोप

गजब हरियाणा न्यूज

मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के बैंक ऑफ बड़ौदा की एक ब्रांच में हैरतअंगेज मामला सामने आया है। जहां बैंक के लॉकर में रखे हुए 18 लख रुपए की रकम को दीमक लग गई। लंबे समय से मालिक के द्वारा लॉकर को बंद रखा गया था। जब बैंक के लॉकर को खोलकर देखा गया तो मालिक के होश उड़ गए। लॉकर में रखें तमाम पैसों पर दीमक लग गई थी। दीमक लगने की वजह से लॉकर मालिक को 18 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

पीड़ित महिला ने बताया कि उसे अपनी छोटी बेटी की शादी करनी थी। इसके चलते उसने बैंक के लॉकर में ज्वैलरी और 18 लाख रुपये कैश रखे थे। जब उसने लॉकर खोलकर देखा तो उसके होश उड़ गए। 18 लाख रुपयो को दीमक खा गए केवल ज्वैलरी ही सही सलामत बची हुई है।

इस घटना को लेकर लॉकर मालिक ने बैंक के प्रबंधक पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए शिकायत की है। इसके बाद बैंक में हड़कंप मच गया। वहीं, अब बैंक द्वारा इस पूरे मामले की जांच की जा रही है।

साल 2022 में बैंक के लॉकर में रखे जेवर और 18 लाख कैश

दरअसल, जिले की बैंक ऑफ बड़ौदा की रामगंगा विहार की ब्रांच में आशियाना निवासी अलका पाठक ने अपनी बेटी की शादी के लिए 2022 में जेवर के साथ 18 लख रुपए लॉकर में रख दिए थे। जब 2023 में लॉकर खोलकर देखा गया तो 18 लाख रुपए पर दीमक लग गई। बैंक के लॉकर में केवल जेवरात रखे हुए थे. दीमक लगने की वजह से अलका पाठक को 18 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

एग्रीमेंट रिन्यूअल के लिए बुलाया गया बैंक

इस पूरी घटना का पता लॉकर मालिक अलका पाठक को तब लगा जब उनको एग्रीमेंट रिन्यूअल और केवाईसी वेरीफिकेशन के लिए बुलाया गया। तब अलका पाठक ने अपना लॉकर खोल कर देखा तो उनके होश उड़ गए। 18 लाख रुपये में दीमक लग चुकी थी। तब लॉकर मालिक अलका पाठक ने बैंक प्रबंधक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शिकायत की है। इस मामले पर बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा प्रबंधक का महिला से कहना है कि इस मामले की जांच कर रिपोर्ट भेजी गई है। रिपोर्ट आने के बाद जानकारी साझा की जाएगी।

दूसरी बेटी की शादी के लिए जमा किए थे रुपये

बता दें कि अलका यादव का एक छोटा सा बिजनेस है। वह शहर में बिस्तर सप्लाई का कारोबार करती हैं। साथ ही वह बच्चों को ट्यूशन भी पढ़ाती हैं। उनकी बड़ी बेटी की कुछ समय पहले शादी हुई थी। बिजनेस की कमाई से जमा की गई पूंजी से वह दूसरी छोटी बेटी की शादी करना चाहती थीं। इसको लेकर अक्टूबर 2022 में उन्होंने 18 लाख रुपये कैश और जेवर बैंक के लॉकर में रखे थे।

समाजसेवी गुरप्रीत सिंह को मिला 'सामाजिक समरसता सम्मान'

गजब हरियाणा न्यूज/रविंद्र

पिपली । केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सदस्य और डॉ. अम्बेडकर फार्मेसी कॉलेज के अध्यक्ष सुरजभान कटारिया द्वारा डॉ. अम्बेडकर फार्मेसी कॉलेज गाँव मथाना बाबा साहब डा भीम राव अम्बेडकर जी की प्रतिमा का लोकार्पण और सामाजिक समरसता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमे

गुरप्रीत सिंह समाजसेवी को राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर पर सामाजिक समरसता के भाव से मानव सेवा एवं समाजसेवा के लिए सभी वर्गों के व्यक्तियों के हितार्थ किए गए समाजिक कार्यों के लिए डॉ. बनवारी लाल सहकारिता मंत्री, हरियाणा सरकार और सूरजभान कटारिया, डॉ. पवन सैनी जी पूर्व विधायक द्वारा 'सामाजिक समरसता सम्मान - 2023' से सम्मानित किया। गुरप्रीत सिंह ने कहा की यह सम्मान मिलना मेरे लिए बड़े गर्व और गौरव की बात है, मैं पूर्ण विश्वास दिलाता हूं कि भविष्य में भी मैं सामाजिक समरसता के कार्यों को बढ़ावा देने के लिए हमेशा सेवार्थ रहूंगा।

एचएसजीएमसी का जनरल इजलास बुला कर चुनें जाए स्थाई प्रधान व महासचिव: मंडेबर

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरूक्षेत्र । हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी का जनरल इजलास तुरंत बुला कर स्थाई अध्यक्ष, महासचिव व कार्यकारिणी का चुनाव किया जाए। यह मांग करते हुए कमेटी के वरिष्ठ सदस्य जत्थेदार सुखविंदर सिंह मंडेबर ने कार्यवाहक अध्यक्ष भूपिंदर सिंह असंध को पत्र लिखा है। जत्थेदार मंडेबर ने मीडिया को बताया कि पिछले दिनों हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष महंत करमजीत सिंह और महासचिव गुरविंदर सिंह धमीजा ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। इस्तीफे के बाद की स्थिति को देखते हुए हरियाणा सरकार के गृह सचिव टीवीएसएन प्रसाद ने 6 सितंबर को एक आदेश जारी कर एडहॉक कमेटी के जनरल हाउस के फैसले तक भूपिंदर सिंह असंध को कार्यवाहक अध्यक्ष और रमणीक सिंह मान को कार्यवाहक महासचिव का कार्यभार सौंपा था। गृह सचिव ने कार्यवाहक अध्यक्ष और महासचिव को पूरे मामले को एडहॉक कमेटी के संज्ञान में लाकर आगे की कार्रवाई करने को कहा था। सुखविंदर सिंह मंडेबर ने कहा कि गुरुद्वारा एक्ट 2014 के मुताबिक हरियाणा कमेटी के पदाधिकारियों का चुनाव करना जनरल हाउस का अधिकार है। हरियाणा सरकार का अधिकार केवल तदर्थ समिति बनाने का था और अब पदाधिकारी चुनने का अधिकार तदर्थ समिति के सदस्यों को है। इसलिए हम जल्द ही इस अधिकार का प्रयोग कर हरियाणा कमेटी के कामकाज को सुचारु रूप से चलाने के लिए स्थाई अध्यक्ष, महासचिव और कार्यकारिणी का चुनाव करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई को पूरा करने के लिए उन्होंने कार्यवाहक अध्यक्ष भूपिंदर सिंह असंध को पत्र लिख कर 7 अक्टूबर से पहले जनरल इजलास बुला कर कार्रवाई पूरी करने की अपील की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्यवाहक अध्यक्ष, जनरल इज़्लास को बुलाने में विफल रहते या देरी करते हैं, तो 7 अक्टूबर को जनरल हाउस के सभी सदस्य प्रधान कार्यालय में एकत्रित होंगे और अपनी कार्रवाई पूरी करेंगे, जिसमें अध्यक्ष, महासचिव और कार्यकारिणी का चयन किया जाएगा। जत्थेदार मंडेबर ने हरियाणा सरकार से अपील करते हुए कहा कि गुरुद्वारा एक्ट 2014 के अनुसार जनरल हाउस के सदस्यों को हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के पदाधिकारियों को चुनने का अधिकार है, जिससे उन्हें वंचित न किया जाए।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल स्वयं मोटर साईकिल पर सवार होकर कार फ्री ड़े के दिन करनाल एयरपोर्ट पहुंचे और शहर वासियों को दी प्रेरणा

मुख्यमंत्री की अपील: कार फ्री ड़े के दिन हम सब साईकिल या मोटर साईकिल पर सवार होकर अपने रोज मर्रा के काम काज को निपटाए और प्रदुषण मुक्त जीवन जिए।

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । मुख्यमंत्री मनोहर लाल मंगलवार को स्वयं मोटर साईकिल पर सवार होकर कार फ्री ड़े के दिन लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह से करनाल एयरपोर्ट पर पहुंचे और शहर वासियों को प्रेरणा दी। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ घरौंडा के विधायक हरविन्द्र कल्याण, भाजपा के जिला अध्यक्ष योगेंद्र राणा, मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि संजय बठला, स्वच्छ भारत मिशन हरियाणा के कार्यकारी सुभाष चन्द्र, उपायुक्त अनीश यादव, पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन तथा सभी सुरक्षा कर्मी भी बिना कार के ही एयरपोर्ट पर पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर में ट्रैफिक को कम करने और भीड भाड को खत्म करने के लिए हम सब मिलकर छोटे-छोटे प्रयास कर सकते है। जिनके परिणाम भी समाज में सकारात्मक दिखाई देते है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के इस दौड में विकास के साथ-साथ स्वच्छ वातावरण भी जरूरी है। इसके लिए पेड़-पौधे हमारे बहुत लाभकारी है, यह हमें न केवल छाया व फल देते हैं बल्कि बरसात लाने में भी सहायक होते है। प्रकृति के बिना जीना मुश्किल है, क्योंकि प्रकृति ने हमें अनमोल संसाधन दिये हैं, इन्हें संजोकर रखने की जरूरत है। हमारे जीवन के लिए पर्यावरण संरक्षण बहुत जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि कार फ्री ड़े के दिन यदि हम सब साईकिल या मोटर साईकिल पर सवार होकर अपने रोज मर्रा के काम काज को निपटाऐं तो हमें प्रदुषण मुक्त जीवन जीने में सहयोग मिलेगा।

चुनावों के समय पैराशूट से उतरे बरसाती मैंडकों के झांसे में न आए लाडवा हल्के की जनता: संदीप गर्ग

विधानसभा चुनाव की आहट शुरू होते ही लाडवा हल्के में टिकटार्थियों की लगी लाइन

गजब हरियाणा न्यूज/मानव

लाडवा। जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव की आहट शुरू होने होने लगी है। वैसे-वैसे लाडवा हल्के में टिकटार्थी भी बाहर निकलकर जनता के बीच में अपने गुणगान करने लगे हैं।

मंगलवार को नेता एवं समाजसेवी संदीप गर्ग वार्ड नम्बर आठ में बलजीत सिंह फौजी के निवास पर वार्डवासियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं। वैसे-वैसे लाडवा हल्के में टिकटार्थियों की भी लाइन लगने शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि अब से पहले यह सभी टिकटार्थी कहां थे, जो चुनाव के समय में अब बाहर लाडवा हल्के की जनता से वायदे करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि वह लगभग पिछले सात साल से लाडवा हलके के जनता के बीच है और उनके द्वारा करवाए गए विकास कार्यों के बारे में यदि बात करें तो वह न केवल लाडवा हल्के की जनता बल्कि पूरे प्रदेश की जनता से छुपे हुए नहीं है। जितने विकास कार्य उन्होंने अभी तक करवा दिए हैं इतने विकास कार्य तो न तो मौजूदा विधायक न ही पूर्व विधायक ने लाडवा हल्के की जनता के लिए किया है। वहीं दूसरी ओर जैसे ही अब विधानसभा चुनाव नजदीक आ गए हैं, अन्य दलों के छोटे-बड़े नेता भी बाहर आकर लाडवा हल्के से टिकट की ताल ठोकने में लग गए हैं, जिनको लोग न तो जानते है और न ही लोगों ने उनको पहले जनता के बीच देखा है। उन्होंने कहा कि पहले लाडवा हल्के की जनता उनसे सवाल करें कि वह अभी तक कहां थे, जो अब लोकसभा व विधानसभा चुनाव के समय में बाहर आकर लाडवा हल्के की जनता से वायदे करने में लग गए हैं। उन्होंने कहा कि अभी तक तो कोई भी नेता लाडवा हल्के में नजर नहीं आ रहा था। परंतु जैसे ही अब चुनाव नजदीक आ रहे हैं। छोटे-बड़े नेता अपने आप को किसी न किसी दल या किसी न किसी पार्टी का टिकटार्थी बताकर लाडवा की जनता के बीच जाना शुरू हो गए हैं। लाडवा की जनता जानती है कि उनका सच्चा हमदर्द कौन है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा पांच रसोईयां निरंतर लगभग पिछले डेढ़ वर्ष से चलाई जा रही है और अभी तक उनके द्वारा लगभग 40 के करीब लाडवा हल्के में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर भी लगाए जा चुके हैं। इसके अलावा एंबुलेंस सेवा चलाई जा रही है, जो की मात्र 500 रुपए में मरीज को चंडीगढ़ या किसी अन्य अस्पताल में लेकर जा रही है। उन्होंने कहा कि हल्के की अनेक खेल नर्सरियां गोद ली हुई है और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का जिम्मा भी लिया हुआ है। जिसे वह निरंतर निभा रहे हैं। लगभग 30 से अधिक सिलाई सेन्टर भी खुलवाए हैं और सिलाई सेन्टर में सिलाई सिखकर महिलाएं आज अपने पैरों पर खडी हो रही है। ऐसे अनेक कार्य उनके द्वारा लाडवा हल्के में करवाई जा रहे हैं। इतना ही नहीं इस रक्षाबंधन पर्व पर हल्के की लगभग पांच हजार से भी अधिक बहनों से राखी बंधवाई। अगले साल इससे भी बड़ा रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा। वह सभी वर्गों व बिरादरियों को साथ लेकर चल रहे हैं और एक सूत्र में पिरौने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय में पैराशूट से उतरे बरसाती मैंडकों जैसे उम्मीदवारों के झांसे में आने की बजाय उसे व्यक्ति का साथ दे, जो पिछले सात साल से आपके बीच में है। मौके पर बलजीत सिंह, पाला, शुभम, सुरजीत सिंह, सूखा, पार्षद रविन्द्र सिंह, पार्षद शेर सिंह, हरदीप, सुमित चोपड़ा, मेहताब सिंह आदि मौजूद थे।

GH WORLD TV
गजब HARYANA
सच्ची व सटीक खबर-आप तक

जरुरी सूचना

गजब हरियाणा समाचार पत्र, अपना हरियाणा - अपना अखबार, 5 वर्षों से आपकी सेवा में।
गजब हरियाणा के सभी समाचार पत्र और अन्य खबरें पढ़े निशुल्क -
हमारी वेबसाइट : www.gajabharyana.com पर
गजब हरियाणा का सामाजिक यूट्यूब चैनल और फेसबुक पेज पर देखे - gajab haryana news
धार्मिक यूट्यूब चैनल और फेसबुक पेज - Gh World Tv
खबरें व धार्मिक कार्यक्रम की कवरेज करवाने के लिए संपर्क करें: 9138203233
gajabharyananews@gmail.com

अमृतवाणी

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज जिओ की

हरि हरि हरि न जपसि रसना ।।अवर सभ छाडि बचन रसना ।।रहाउ ।।

जय गुरुदेव जी

व्याख्या : श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करते हुए कहते है कि हे जीव ! ऐसे सुखों के समुद्र प्रभु का हरि हरि नाम रसना से क्यों नहीं जपता ? तुं संसार की झूठी रचना के बचनो को रसना से त्याग कर प्रभु का सिमरन कर।

धन गुरुदेव जी

श्रावस्ती धम्म यात्रा – 3

राजा जयचंद्र की बुद्ध और धम्म के प्रति गहरी श्रद्धा का प्रतीक है श्रावस्ती के जेतवन का यह विशाल बुद्ध विहार और भिक्षुसंघ का निवास(संघाराम)। जयचंद्र को इसीलिए धम्म विरोधियों ने गद्दार कहा।

श्रावस्ती के विशाल जेतवन के दर्शन करते हुए हमें बुद्ध वाणी की गूंज और उनके परम उपासक राजाओं में से एक कन्नौज के राजा जयचंद्र की बुद्ध के प्रति श्रद्धा के गौरवशाली इतिहास के दर्शन होते है। लेकिन झूठे इतिहासकारो ने इस महान बौद्ध सम्राट को गद्दार बताने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

जेतवन महाविहार में भगवान बुद्ध की मूल गंधकुटी से आगे छब्बीस सौ साल पहले का 'आनंद बोधिवृक्ष' है। वहां से आगे अंतिम छोर पर भिक्षु संघ के निवास के लिए एक विशाल संघाराम के खंडित अवशेष हैं। कन्नौज के गहड़वाल राजा जयचंद्र के पिता प्रसिद्ध राजा गोविंदचंद्र का सन् 1130 का ताम्रपत्र पर लिखा एक अभिलेख मिला है जिसमें लिखा हुआ था कि जेतवन महाविहार के भिक्षुसंघ के लिए उन्होंने श्रावस्ती के पास कुछ गांव दान में दिए थे। उनकी रानी कुमार देवी ने सारनाथ में विशाल 'धम्म चक्र जिन विहार' का निर्माण कराया था।

पुत्र सम्राट जयचंद्र ने अपने पिता की धम्मश्रद्धा परम्परा को जारी रखा और जगतमित्र बोद्धाचार्य से बुद्ध धम्म की दीक्षा ग्रहण की। कई बौद्ध स्थल, स्मारकों के निर्माण और भिक्षु संघ के आवास के लिए कई तरह की सुविधाएं प्रदान की।

जेतवन महाविहार प्रांगण में यह सबसे बड़ा विहार है. 11वीं 12वीं शताब्दी तक चार बार इस संघाराम का निर्माण और विकास हुआ था। इसमें कई कमरे, पूजा ध्यान स्थल, कुआं आदि थे। बुद्ध के समय का कुआं तो आज भी वैसा ही है।

इस विहार की नींव बुद्ध के समय श्रावस्ती के सम्राट प्रसेनजित ने रखी थी। उसके बाद सन् 1200 तक अलग अलग काल में बौद्ध सम्राटों ने इसका विकास करवाया। इसके संचालन के लिए आसपास के कई गांव दान दिये। इनकी रानियां ने भारी मात्रा में अपने स्वर्ण आभूषणों को दान कर धम्म प्रचार में अपने हिस्से का योगदान दिया।

नमन है बुद्ध के परम उपासक कन्नौज के महान गहड़वाल राजा जयचंद्र को।

भवतु सब्बं मंगल। सबका कल्याण हो। सभी प्राणी सुखी हो।

आलेख: डॉ. एम एल परिहार, जयपुर

साई बुल्ले काफी : 5

उलटे होर ज़माने आए
उलटे होर ज़माने आए।
काँ गालड़ नूँ मारन लग्गे,
चिड़िआँ जूरे शिकरा खाए।
उलटे होर ज़माने आए।
इराकिआँ अरब इराक का तेज़
घोड़ा नूँ चाबक पैदे,
गधो खूत ज़वी, हरा गेहूँ खवाए
उलटे होर ज़माने आए।
अगले जाए बकाले बैठे,
पिछरिआँ फरश वछाए।
उलटे होर ज़माने आए।
बुल्ला हुकम हजूरों आया,
तिस नूँ कौण हटाए।
उलटे होर ज़माने आए।

मन की शांति कैसे मिले

(एक बार प्रयोग करके देखें)

चौबीस घंटे में तय कर लें कि एक छोटा-सा काम बिना फल की आकांक्षा के करेंगे। राह पर जा रहे हैं। किसी आदमी का छाता गिर गया है। उसे उठाकर दे दें। लेकिन लौटकर रुकें न, कि वह धन्यवाद दे। और धन्यवाद न दे, तो मन में देखें कि कहीं पीड़ा तो नहीं खटकती है? अगर धन्यवाद न दे, तो जरा मन में देखें कि कहीं विषाद का धुआं तो नहीं उतरता है? कहीं ऐसा तो नहीं लगता है कि कैसा आदमी है, धन्यवाद भी न दिया!

अगर धन्यवाद की भी अपेक्षा है, जो कि बहुत छोटी अपेक्षा है, नामिनल, न के बराबर।

इसीलिए समझदार आदमी दिनभर धन्यवाद देते रहते हैं, ताकि जो व्यर्थ की अपेक्षाएं हैं लोगों की, वे उनकी तृप्त होती रहें। धन्यवाद देने वाले का कुछ भी नहीं बिगड़ता, लेकिन लेने वाले को बहुत कुछ मिलता हुआ मालूम पड़ता है। अपेक्षा पर निर्भर है।

छोटा-सा शब्द धन्यवाद, भीतर जैसे फूल खिल जाता है। नहीं दिया धन्यवाद, भीतर की कली कुम्हला जाती है। इतनी छोटी-सी अपेक्षा भी प्राणों को उदास करती और प्रफुल्लित करती है। जितनी बड़ी अपेक्षाएं होंगी, फिर उतनी ही उदासी और प्रफुल्लता की अपेक्षा के अनुपात में दुख का भार बढ़ता चला जाएगा।

दिन में चौबीस घंटे में जो आदमी एक काम अपेक्षारहित कर ले, उसने प्रार्थना की, उसने नमाज पढ़ी, उसने ध्यान किया। एक काम आदमी अगर चौबीस घंटे में अपेक्षारहित, फलरहित कर ले, तो बहुत देर नहीं लगेगी कि उसके कर्मों का जाल धीरे-धीरे अपेक्षारहित होने लगे। क्योंकि उस छोटे-से काम को करके वह पहली दफे पाएगा कि जीवन न दुख में है, न सुख में है, वरन परम शांति में उतर गया। उस छोटे-से कृत्य के द्वारा शांत हो गया।

अपेक्षा सुख का आश्वासन देती है, दुख का फल लाती है। अपेक्षारहित कृत्य गहन शांति के सागर में डुबा जाता है। अपेक्षारहित कृत्य आनंद के द्वार खोल देता है।

देखें, प्रयोग करें।

'सुविचार सुंदरता सस्ती है, चरित्र महंगा है घड़ी सस्ती है, समय महंगा है शरीर सस्ता है, जीवन महंगा है रिश्ता सस्ता है, निभाना महंगा है।

एक समबुद्ध का निजि अनुभव

दांतों में छिपे रहस्य :ओशो

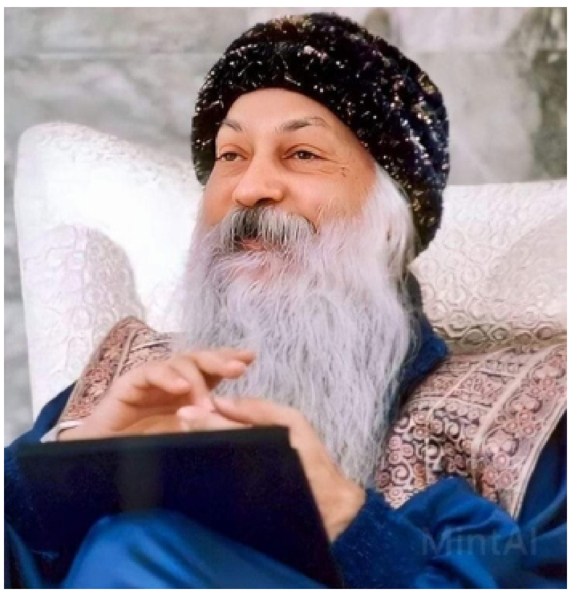

इन पिछले कुछ दिनों से मेरे दांतों में भयानक दर्द है। मैं बिलकुल भी सो नहीं पाया। घंटों लेटे रहते हुए मैंने अपने जीवन में पहली बार दांतों के बारे में सोचा। साधारणतया डेंटिस्ट, दंत चिकित्सक को छोड़कर दांतों के बारे में कौन सोचता है।

जो मैं तुम्हें बताने जा रहा हूं वह तुम्हारे लिए और किसी भी सच्चे साधक के लिए अत्यंत मूल्यवान है। मैं नहीं समझता कि यह पहले कभी कहा गया है। संभव है कि किसी प्राचीन रहस्यशाला में इसकी जानकारी हो और इसे छिपा कर रखा गया हो। अधिक संभावना यह है कि यह जानकारी खो गयी हो। लेकिन मुझे ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली। हालाकि मैंने इतनी खोज की है जितनी किसी भी व्यक्ति के लिए संभव है।

तो इसे ध्यान से सुनो- दांतों के दर्द को मैंने सीने के मध्य से उठकर जबड़े की हड्डियों से होते हुए आते पाया। दाँत का दर्द आग की लकीरों की तरह दिखाई देता है, प्रकाश की लकीरों की भांति, और सीने तक जाता है। छाती में यह प्रकाश रोशनी का बड़ा गोला हो जाता है। छाती में यह पुंज प्रकाश की एक सरिता द्वारा एक अधिक विराट रोशनी से बड़े सूर्य से जुड़ा हुआ है। यह सूर्य समस्त मानव जाति का सामूहिक अवचेतन मन है।

वास्तविक सामूहिक अवचेतन मन कार्ल गुस्ताव जुंग का सामूहिक मन नहीं है। जुंग का सामूहिक अवचेतन मन तो केवल मनुष्य के मन के इतिहास से लिया गया है। मानवता की दंत-कथाओं, पौराणिक कथाओं के वंशक्रम से लिया गया है। यह एक प्रकार का कचरा है। जो इस लंबी यात्रा में पीछे बच गया है।

मनुष्य का वास्तविक अवचेतन बहुत विराट है, बहुत पुरातन है और मानवता के जैविक इतिहास से आता है। यह मनुष्य के लाखों वर्षों का इतिहास है जो हमारी देह में, कोशिकाओं में, हमारे डी. एन. ए. में संग्रहीत है, अंकित है। मानवता ने अपने संपूर्ण क्रम विकास में जो मार्ग अपनाया है, वही वास्तविक सामूहिक अवचेतन है। और हमारे देह में इसकी स्मृति है। हमारी देह में स्मृतियां है, इसमें समय के प्रारंभ से लेकर हमारे मानव बनने से पहले तक के संपूर्ण क्रम-विकास की स्मृति है। ऐसा प्रतीत होता है कि प्रत्येक व्यक्ति के दाँत इन स्मृतियों के बीच एक कड़ी है- दांतों में स्मृतियां है जो हमें मनुष्य के सामूहिक अवचेतन मन से जोड़ती है। दांतों में प्रत्येक व्यक्ति के संस्कार संग्रहीत है, एक संपूर्ण रिकॉर्ड है उन सब स्मृतियों का जब हम बंदर थे, या शायद उससे भी पहले का। दाँत मनुष्य का व्यक्तिगत आकाशीय रिकॉर्ड है, उस सब का जो उसके साथ उसके संपूर्ण अतीत के क्रम विकास में घटा है।

और यह अभी भी चल रहा है- अब भी जो हो रहा है दाँत उस सब को रिकॉर्ड कर रहे है। यह प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है। दाँत कुछ कंप्यूटर के चित की भांति कार्य करते है। एक तरह से इन दोनों के ''इनेमल'' की संरचना भी एक सी है। कंप्यूटर का चिप इतना छोटा होता है लेकिन इसमे लाखों तथ्य छिपे होते है। मस्तिष्क भी एक बायो-कंप्यूटर है और दांतों में लाखों वर्षों की स्मृतियां संग्रहीत है।

यदि दाँत का उपयोग सही ढंग से किया जाये, नये ढंग से समझा जाए तो संभव है कि बहुत सी बीमारियों की जड़ें इनमें मिलें। बहुत से पागलपन जिससे लोग पीडित है। उनका उपचार दांतों द्वारा किया जा सकता है। यदि हम जान पाएँ कि दांतों का ठीक उपयोग कैसे किया जाए तो पागल खाने खाली हो जाएंगे। बस किसी विशेष दाँत को निकालना है, विशेष नस को निकालना है, दांतों और मसूड़ों के रोग का उपचार करना है, और पूरा शरीर एंव मन स्वछ हो जाएगा।

मेरे कुछ दांतों में मेरी मां, पिता, परिवार और मित्रों की स्मृतियां संग्रहीत है। कई बार एक ही दाँत में भिन्न नसें भिन्न लोगों से जुड़ी होती है। नीचे के दाएं भोजन चबाने वाले दाँत को छूते हुए उन्होंने कहा कि इसमें मेरी मां की स्मृतियां है....

स्त्री और पुरूष-संस्कारों की जड़ें भी इन दांतों में ही होती है। पुराने संबंधों के संस्कार भी यहीं होते है। स्त्री का गहनत्म, सर्वाधिक पुरातन संस्कार है उसकी यह चाह कि कोई उसे चाहे। और यह चाहे जाने की चाह एक साधक स्त्री के गहरे ध्यान में उतरने में बाधक होती है।

यह दांतों की खोज प्रत्येक साधक के लिए अत्यंत सहायक सिद्ध हो सकती है। क्योंकि मनुष्य के पुराने संस्कारों के प्रति सजग होने के लिए इनका उपयोग किया जा सकता है। यह हमारे प्रचीन संस्कार है, हमारा गहन अवचेतन है जो ध्यान के लिए अदृश्य बाधा बनता है। और मनुष्य के परम रूपांतरण के लिए ध्यान ही एकमात्र मार्ग है। स्मृतियां अवचेतन मेन में बंद है। और दाँत ही कुंजी है, एक सच्चा साधक बोध पूर्वक दांतों में छिपी इन अवचेतन स्मृतियों को चेतन मन में ला सकता है। ध्यान के मार्ग पर यह एक महान शुरूआत होगी।

और मार्ग है, तुम मार्ग ढूंढ़ सकते हो। यह कोई संयोग नहीं है। कि यह खोज मैंने इस समय की है। दांतों के माध्यम से तुम मार्ग खोज सकते हो।

ऐसा प्रतीत होता है कि मनुष्य के समस्त संस्कार, मनुष्य के क्रम-विकास के प्रारंभ से उसकी स्मृतियों का समस्त जोड़, दांतों में विद्यमान है। संभव है कि मनुष्य के दाँत कंप्यूटर के चिप्स की भांति हों, जिनमें प्रत्येक स्मृति संग्रहीत है। यह पहली बार हुआ है कि दांतों के बारे में यह ज्ञान मानवता के लिए उपलब्ध हुआ हो।

ओशो

(ओशो ने ये शब्द सितंबर 1989 में अपने दंत चिकित्सक से कहे थे, इन्हें स्मृति के आधार पर लिख गया)

दान की महिमा

भगवान बुद्ध का जब पाटलिपुत्र में शुभागमन हुआ, तो हर व्यक्ति अपनी-अपनी सांपत्तिक स्थिति के अनुसार उन्हें उपहार देने की योजना बनाने लगा।

राजा बिंबिसार ने भी कीमती हीरे, मोती और रत्न उन्हें पेश किए। बुद्धदेव ने सबको एक हाथ से सहर्ष स्वीकार किया। इसके बाद मंत्रियों, सेठों, साहूकारों ने अपने-अपने उपहार उन्हें अर्पित किए और बुद्धदेव ने उन सबको एक हाथ से स्वीकार कर लिया।

इतने में एक बुढ़िया लाठी टेकते वहां आई। बुद्धदेव को प्रणाम कर वह बोली, भगवन्, जिस समय आपके आने का समाचार मुझे मिला, उस समय मैं यह अनार खा रही थी। मेरे पास कोई दूसरी चीज न होने के कारण मैं इस अधखाए फल को ही ले आई हूं। यदि आप मेरी इस तुच्छ भेंट स्वीकार करें, तो मैं अहोभाग्य समझूंगी। भगवान बुद्ध ने दोनों हाथ सामने कर वह फल ग्रहण किया।

राजा बिंबिसार ने जब यह देखा तो उन्होंने बुद्धदेव से कहा, भगवन्, क्षमा करें! एक प्रश्न पूछना चाहता हूं। हम सबने आपको कीमती और बड़े-बडे उपहार दिए जिन्हें आपने एक हाथ से ग्रहण किया लेकिन इस बुढ़िया द्वारा दिए गए छोटे एवं जूठे फल को आपने दोनों हाथों से ग्रहण किया, ऐसा क्यों?

यह सुन बुद्धदेव मुस्कराए और बोले, राजन्! आप सबने अवश्य बहुमूल्य उपहार दिए हैं किंतु यह सब आपकी संपत्ति का दसवां हिस्सा भी नहीं है। आपने यह दान दीनों और गरीबों की भलाई के लिए नहीं किया है इसलिए आपका यह दान सात्विक दान की श्रेणी में नहीं आ सकता। इसके विपरीत इस बुढ़िया ने अपने मुंह का कौर ही मुझे दे डाला है। भले ही यह बुढ़िया निर्धन है लेकिन इसे संपत्ति की कोई लालसा नहीं है। यही कारण है कि इसका दान मैंने खुले हृदय से, दोनों हाथों से स्वीकार किया है।

मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण को लेकर की प्रेस कॉन्फ्रेंस
26 दिसंबर तक करवा सकते हैं दावों एवं आपत्तियों का निपटान

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार के मार्गदर्शन मे जगाधरी के एसडीएम अमित गुलिया ने मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण को लेकर कर लघु सचिवालय के सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान उन्होंने सभी से अपील की कि मतदाता सूची को लेकर जो अभियान प्रशासन द्वारा चलाया जा है उस को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है, सभी के सहयोग से यह अभियान सफल होगा। 18 वर्ष के हर नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करने के लिए प्रचार करने के साथ साथ जागरूक भी करें।

उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 1 जनवरी 2024 को आधार तिथि मानकर जिला में मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के लिए विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 1 जनवरी, 2024 को आधार तिथि मानकर 17 अक्टूबर 2023 से 30 नवम्बर 2023 तक दावें तथा आपत्तियां प्राप्त की जाएगी। इसी अवधि में 21 व 22 अक्टूबर 2023 तथा 4 व 5 नवम्बर 2023 को (शनिवार, रविवार) विशेष अभियान तिथियां निर्धारित की गई है। इन विशेष तिथियों में सभी बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अपने-अपने मतदान केंद्रों पर सुबह 9 बजे से सायं 5 बजे तक उपस्थित रहकर फार्म प्राप्त करेंगे। उन्होंने बताया कि 26 दिसंबर तक दावों एवं आपत्तियों का निपटान करने उपरांत 5 जनवरी 2024 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया जाएगा।

एसडीएम अमित गुलिया ने बताया कि कोई भी व्यक्ति जिसकी आयु 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष या इससे अधिक होगी वह फार्म नंबर 6 भरकर संबंधित बीएलओ या जिला निर्वाचन कार्यालय में जमा करवा सकता है। इसे अलावा एनआरआई मतदाता वोट बनवाने के लिए फार्म नंबर 6ए, आधार से वोट कार्ड को लिंक करने के लिए फार्म 6बी, मतदाता द्वारा अपनी वोट कटवाने हेतु फार्म नंबर 7 तथा बनी हुई वोट में शुद्धि हेतु फार्म नंबर 8 भर कर जमा करवा सकते हैं। ये सभी कार्य ऑनलाइन भी किए जा सकते हैं। इसके लिए voters.eci.gov.in पोर्टल या वोटर हेल्प लाईन मोबाइल ऐप का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान निर्वाचन विभाग के तहसीलदार गुलशन व विभिन्न समाचार पत्रों व चैनलों के पत्रकार उपस्थित रहें।

यमुनानगर व जगाधरी की 35 कालोनियां स्वीकृत

गजब हरियाणा न्यूज/सुखबीर

यमुनानगर, उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि यमुनागर व जगाधरी की 35 कालोनिया स्वीकृत हुई है। कालोनियो की भूमि के किस्मो के हिसाब से कलैक्टर रेट व दिशा-निर्देश कार्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिये गए हैं। उन्होने बताया कि यदि किसी भी व्यक्ति को इन कलैक्टर रेट पर आपत्ति हो तो वो इस कार्यालय की वेबसाईट एचटीटीपी://डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू. यमुनानगर.एनआईसी.कॉम पर देखकर अपने एतराज व सुझाव 25 सितंबर 2023 तक एचटीटीपी:// जमाबंदी.एनआईसी. इन ऑनलाइन दर्ज करवा सकतें है, समयावधि की समाप्ति के बाद भेजे गए एतराज पर विचार नही किया जाएगा

वाहन पंजीकरण कार्यालय द्वारा नए नम्बरों की सीरिज की जाएगी शुरू : सुरेन्द्र

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । एसडीएम सुरेन्द्र पाल ने कहा कि वाहन पंजीकरण कार्यालय मोटर वाहन थानेसर की तरफ से 25 सितंबर 2023 की तरफ से एचआर-07 एएफ के नम्बर की नई सीरिज शुरू की जाएगी। इस सीरिज में फैंसी और वांछित नम्बरों की फाईले लेने के लिए 25 सितंबर को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है।

एसडीएम सुरेन्द्र पाल ने जारी अधिसूचना में कहा है कि नई सीरिज के नंबरों के लिए आवश्यकता पडऩे पर नीलामी भी की जाएगी। यह नीलामी प्रक्रिया 25 सितंबर को दोपहर 1 बजे की जाएगी। सभी इच्छुक व्यक्तियों से अनुरोध किया गया है कि निर्धारित तिथि व समय पर पंजीकरण ऑथोरिटी एवं उपमंडल अधिकारी नागरिक थानेसर के कार्यालय में पहुंच सकते है। नई सीरिज के नंबरों की नीलामी हेतु कुछ शर्ते भी निर्धारित की गई है। इन शर्तों के अनुसार बोली लगने वाले फैन्सी नम्बरों की सरकार द्वारा निर्धारित फीस बोली दाता को बोली शुरू होने से पहले बतौर धरोहर राशि जमा करवानी होगी।

उन्होंने कहा कि सफल बोली दाता की धरोहर राशि नीलामी की राशि में समायोजित कर ली जाएगी। किसी भी बोली को स्वीकार व अस्वीकार या रद्द करने का अधिकारी वाहन पंजीकरण आथोरिटी थानेसर के पास सुरक्षित है इसके अलावा अन्य धरोहर राशि या नीलामी के तुरंत बाद वापिस कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मौके पर पहुंचने वाले व्यक्ति को नए नम्बरों की तमाम शर्तों की जानकारी मौके पर ही दी जाएगी।

प्रतियोगिताएं छात्रों को आगे बढ़ने के लिए करती है प्रेरित : प्रो. शर्मा
केयू छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग की ओर से प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने दी शानदार प्रस्तुतियां
दर्शकों को तालियां बजाने पर किया मजबूर

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण विभाग की ओर से संचालित तीन दिवसीय प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के दूसरे दिन गुरुवार को यूटीडी के प्रतिभागियों ने गायन, मोनो एक्टिंग एवं मिमिक्री प्रतियोगिताएं में भाग लिया जिसका आयोजन केयू के डॉ. आरके सदन में किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा जी ने कहा कि प्रतियोगिताएं छात्रों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी का देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहता है। इसलिए युवाओं को ऐसे आयोजनों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थी फैजल के द्वारा गाए गए 'तेरी मिट्टी में मिलजावा' गीत की प्रशंसा करते हुए कहा कि एक विदेशी छात्र का देशभक्ति गीत गाना हम सबके लिए एक प्रेरणा का कार्य है जिससे सभी युवा पीढ़ी को सीख लेनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए केयू छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. शुचिस्मिता ने कहा कि प्रतिभा खोज प्रतियोगिता विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत जरूरी है। इस अवसर पर डॉ. हरविंदर सिंह लौंगोवाल, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. प्रिया एवं डॉ. वीर विकास ने अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। प्रो. शुचिस्मिता ने बताया कि प्रतियोगित में जहां गायन में लगभग 80 छात्रों तथा मिमिक्री और वहीं मोनो एक्टिंग में लगभग 25 विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया जिसे देखकर दर्शकों ने तालियां बजाकर प्रतिभागियों की खूब हौसला अफजाई की। निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. अशोक शर्मा, डॉ. मुनीष, डॉ. संत लाल, डॉ. आबिद अली व अरुण कुमार ने निभाई।

डॉ कृष्ण कारसा कांग्रेस बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व रजिस्ट्रार तथा हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के बुद्धिजीवी विभाग के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रोफेसर कृष्ण कारसा को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के विचार (बुद्धिजीवी) विभाग का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया है। अपनी नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए डॉ कृष्ण कारसा ने कहा है कि पार्टी सगंठन ने उन्हें जो जिम्मेवारी सौंपी है वह उसको ईमानदारी,निष्ठा और कर्मठता से निभायेंगे। उन्होंने बताया कि वह पूरे प्रदेश में भ्रमण कर पार्टी के साथ बुद्धिजीवियों को जोड़ेंगे और पार्टी की विचारधारा का प्रचार और प्रसार करेंगे। अपनी नियुक्ति के लिये उन्होंने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे,पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पूर्व मुख्य मन्त्री एवं नेता प्रतिपक्ष चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुडडा, राज्यसभा सांसद चौधरी दीपेन्द्र सिंह हुडडा का आभार प्रकट किया है। । उन्होंने बताया कि बहुत जल्द एक बुद्धिजीवी सम्मेलन एवं चिंतन गोष्ठी का आयोजन किया जायेगा जिसमें प्रदेश के हजारों बुद्धिजीवी शामिल होंगे। जिनमें स्कूल के शिक्षक, कॉलेज के शिक्षक, विश्वविद्यालय के शिक्षक, साहित्यकार, कलाकार, इन्जीनियर, डॉक्टर, व्यवसायी शामिल होंगे।

राजकीय स्कूल हरिपुर में कलस्टर स्तर की विज्ञान व गणित प्रदर्शनी का किया गया आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हरिपुर में क्लस्टर स्तर की विज्ञान एवं गणित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में क्लस्टर में आने वाले सभी स्कूलों राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सुढ़पुर, राजकीय माध्यमिक विद्यालय कतलहरी व राजकिया वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हरिपुर के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की अगवाई स्कूल प्रधानाचार्य बलजीत सिंह जास्ट ने की। प्रदर्शनी का अवलोकन करने के लिए गांव सरपंच मोहनलाल सैनी, एसएमसी प्रधान सुमन देवी तथा समाज सेवक सुरजीत सिंह व विद्यार्थियों के अभिभावकगण विद्यालय में पहुंचे हुए थे विज्ञान एवं गणित प्रदर्शन दो स्तरों में आयोजित की गई। प्रथम स्तर छठी से आठवीं कक्षा का तथा दूसरा स्तर नौवी से बारहवीं कक्षा तक रहा।

प्रथम स्तर के विद्यार्थियों में रोल प्ले प्रतियोगिता में प्रथम रहा विद्यार्थी नैतिक 8वीं, मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता में रक्षित 7वीं, खुशी 7वीं, आदित्य, नैतिक 8वीं, सुमित और हर्षप्रीत मिडिल स्कूल कतलहरी, तन्वी 8वीं यह सभी विद्यार्थी प्रथम रहे। इसके अतिरिक्त पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में खुशी (राजकीय माध्यमिक विद्यालय कतलहरी) सुमित तथा हर्षप्रीत (राजकीय माध्यमिक विद्यालय कतलहरी) अमनजोत (राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हरिपुर) प्रथम रहे। द्वितीय स्तर कक्षा नौवीं से बारहवीं में रोल प्ले प्रतियोगिता में स्मृति 10वीं, आसना 10वीं, (राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हरिपुर) पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में मुस्कान 11वीं, नेहा 12वीं, दीपा 11वीं, पारस 12वीं, मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता में जतिन और विनोद 9वीं (राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सुढ़पुर) अमृता 11वीं, हर्ष कौशिक 12वीं, नैनिका 11वीं, आर्यन 12वीं, अंजलि 12वीं, स्मृति 10वीं, सुखचैन 12वीं, रमणीक और हर्ष 12वीं जशनदीप 12वीं (राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हरिपुर) के विद्यार्थी प्रथम रहे।

इन सभी प्रतियोगिताओं के लिए निर्णायक मंडल जिसमें एबीआरसी नितिन शर्मा, मुकेश गणित प्रवक्ता, राजेश भौतिक विज्ञान प्रवक्ता, सुनील टीजीटी साइंस और पंकज टीजीटी साइंस ने अहम भूमिका निभाई। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए गांव सरपंच मोहन लाल सैनी ने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनी विद्यार्थियों में विज्ञान व गणित के प्रति रुचि उत्पन्न करने में सहायक है। इस तरह की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों को विज्ञान और गणित अच्छी प्रकार से समझ में आने लग जाते है। और वह इन सबको अपने जीवन और कार्यों से जोडकर देखने लग जाते है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के द्वारा किए गए प्रयासों की भूरि भूरि प्रशंसा की व प्रधानाचार्य बलजीत सिंह को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी। इस अवसर पर अन्य विद्यालयों से पहुंचे हुए अध्यापक गणों विशेष रूप से साहब सिंह (टीजीटी मैथमेटिक्स) व एसएमसी सदस्य सरिता, रचना, राजेंद्र कौर, दिव्या सैनी, कुसुम देवी, अनीता, समाजसेवी मलकीत सिंह व अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने विज्ञान एवं गणित प्रदर्शनी की सराहना की व स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी। तत्पश्चात प्रधानाचार्य बलजीत सिंह जास्ट व स्टाफ सदस्यों के द्वारा विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

वकीलों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । पीपुल्स पार्टी आफ इंडिया डेमोक्रेटिक के लीगल सैल द्वारा तीन दिवसीय भारत भर के वकीलों के लिए प्रशिक्षण शिविर सैनी धर्मशाला कुरुक्षेत्र में आयोजित किया गया। लीगल सैल के मुख्य संरक्षक एवं सीनियर एडवोकेट डॉ के.एस चौहान ने कहा कि वकीलों को देश में कानून का शासन, संवैधानिक नैतिकता और सामाजिक लोकतंत्र और न्याय के लिए काम करना चाहिए। हमारा देश लोकतंत्र पद्धति और संस्थागत नेतृत्व से ही ज्यादा से ज्यादा विकास कर सकता है, हमें इसको गंभीरता से समंझने की आवश्यकता है।

अंबाला कैंट में अग्निवीर भर्ती के दूसरे चरण का 1 नवंबर से 10 नवंबर तक होगा आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । कर्नल बीएस बिष्ट सेना मेडल भर्ती निर्देशक अंबाला कैंट ने कहा कि 1 नवंबर से 6 नवंबर तक अम्बाला कैंट के खर्गा स्पोर्ट्स स्टेडियम में अग्निवीर की भर्ती प्रक्रिया का दूसरा चरण, फिजिकल एवं मेडिकल का आयोजन किया जाएगा। इस भर्ती प्रक्रिया में हरियाणा के अम्बाला, कैथल, कुरुक्षेत्र, करनाल, यमुनानगर, पंचकूला जिलों एवं केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के वे पुरुष अभ्यर्थी जो की प्रथम चरण के कंप्यूटर आधारित ऑनलाइन कॉमन परीक्षा में शॉर्टलिस्ट हुई हैं, वे भाग ले सकते हैं। प्रथम चरण के सभी चयनित अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड, 25 सितंबर 2023 को जारी कर दिए गए हैं। सभी उम्मीदवार को सूचित किया जाता हैं की भारतीय सेना की वेबसाइट ज्वाइनइंडियनार्मी.एनआईसी.इन पर उम्मीदवार वेबसाइट लॉग इन आईडी से अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकता है।

जवाहर नवोदय विद्यालय सग्गा में कक्षा 9वीं व 11वीं में प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर : यादव

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । जवाहर नवोदय विद्यालय सग्गा करनाल में कक्षा 9वीं व 11वीं (सत्र 2024-25 में) के चयन के लिए परीक्षा हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 अक्तूबर है। प्रवेश हेतु चयन परीक्षा शनिवार 10 फरवरी 2024 को आयोजित की जाएगी। यह जानकारी स्कूल के प्राचार्य जसराम सिंह यादव ने दी।

उन्होंने बताया कि सत्र 2024-25 में 9वीं कक्षा में प्रवेश के लिए जिला करनाल के सरकारी/मान्यता प्राप्त /विशेष शिक्षा योजना विद्यालय की कक्षा 8 में अध्ययनरत अभ्यर्थी प्रवेश के पात्र होंगे जिनके पास करनाल जिले का आवासीय प्रमाण पत्र होगा। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी का जन्म 1 मई 2009 से 31 जुलाई 2011 के मध्य होना चाहिए तथा केवल 2023-24 के शिक्षा सत्र में ही कक्षा 8 उत्तीर्ण की हुई होनी चाहिए। कक्षा 9वीं में वास्तविक प्रवेश इसी शर्त पर दिया जाएगा।

इसी प्रकार सत्र 2024-25 में 11वीं कक्षा में प्रवेश के लिए जिला करनाल के सरकारी/मान्यता प्राप्त /विशेष शिक्षा योजना विद्यालय की कक्षा 10 में अध्ययनरत अभ्यर्थी प्रवेश के पात्र होंगे जिनके पास करनाल जिले का आवासीय प्रमाण पत्र होगा। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थी का जन्म 1 जून 2007 से 31 जुलाई 2009 के मध्य होना चाहिए। अभ्यर्थी के निवास स्थान तथा कक्षा 10वीं में अध्ययनरत का जिला समान होने पर ही उससे जिला स्तर की मैरिट में शामिल करने के लिए विचार किया जाएगा तथा 11वीं कक्षा में प्रवेश इसी शर्त पर किया जाएगा। आवेदन पत्र समिति की वैबसाईट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू. एनएवीओडीएवाईए डॉट जीओवी डॉट इन से भरा जा सकता है।

बच्चों को अच्छी शिक्षा मुहैया कराए : बाबूराम तुषार

नलवी रोड पर आश्रम में संत महात्माओं ने किया गुरु रविदास जी महाराज की बाणी का गुणगान

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र/शाहाबाद, उपमंडल के नलवी रोड पर जलेबी चौक स्थित श्री गुरु रविदास अमर ज्योति जागृति मिशन द्वारा मासिक सत्संग का आयोजन किया गया। सत्संग में संत महात्माओं ने गुरु रविदास जी की शिक्षा और उनके संदेश का गुणगान किया। इतना ही नहीं गुरु रविदास की महिमा का बखान करते हुए संत महात्माओं ने श्रद्धालुओं को गुरु जी के बताए हुए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। सत्संग में पहुंचे श्रद्धालुओं ने गुरु रविदास अमर ज्योति जागृति मिशन के संत परमदास जी से आशीर्वाद लिया। इससे पूर्व सत्संग का शुभारंभ श्री गुरु रविदास जी की आरती के साथ और भोग लगाकर शुरू हुआ।

सत्संग में दूर दराज से और आसपास के गांव के श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सत्संग की खास बात यह रही की सत्संग में महिलाओं की विशेष हाजरी रही। सत्संग में सभी संत महात्माओं ने श्री गुरु रविदास जी महाराज की अमृतवाणी के माध्यम से गूरू जी द्वारा दी गई शिक्षा और सन्देश को श्रद्धालुओं को रूबरू कराया। इतना ही नहीं कई संत महात्माओं ने गुरु जी के शब्द के माध्यम से गुरु की अमृतवाणी का बखान कर माहौल को गुरु रविदास मयी बना दिया। श्रद्धालु गुरु जी के शब्दों पर निहाल हो गए। वहीं महिला श्रद्धालुओं ने गुरु जी की स्तुति पर नाच जाकर अपनी खुशी का इजहार किया। संत माता महात्माओं के प्रवचन के बाद मिशन द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मिशन की ओर से सत्संग में आने वाले व्यक्तियों को सरोपा भेंट कर स्वागत किया गया। सत्संग में दी कूरुक्षेत्र केंद्रीय सहकारी बैंक के पूर्व निदेशक बाबूराम तुषार ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आह्वान किया कि वे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा मुहैया कराए ताकि बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करने के बाद अपना मुकाम हासिल कर सके। उन्होंने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के संदेश पर भी श्रद्धालुओं को चलने का आह्वान किया। श्रद्धालुओं ने इस सुंदर सत्संग के लिए आयोजको का आभार जताया। मिशन के बाहर बड़ी संख्या में दुकानें सजी हुई थी। जहां श्रद्धालुओं ने श्री गुरु रविदास और बाबा साहब के जीवन चरित्र को लेकर चित्र और किताबें खरीदी। बता दें कि श्री गुरु रविदास अमर ज्योति जागृति मिशन रजिस्टर्ड शाहाबाद मारकंडा मे हर महीने के अंत में मासिक सत्संग का आयोजन करता है। मासिक सत्संग में दूसरे जिलों के श्रद्धालुओं के अलावा संत महात्मा भी पहुंचते हैं।

GAJAB HARYANA NEWSPAPER

लंबे लंबे भाषणों से नहीं, सामाजिक नेता को रिपोर्ट कार्ड देख करे चेक : रीना वाल्मीकि

महासभा के राष्ट्रीय अधिवेशन में 18 प्रदेशों से आए प्रतिनिधियों ने किए विचार साझा

ऑल इंडिया अंबेडकर महासभा का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

चंडीगढ़ । ऑल इंडिया अंबेडकर महासभा द्वारा आयोजित दो दिवसीय का राष्ट्रीय अधिवेशन सेक्टर - 30 के लबाना भवन में संपन्न हुआ । जिसके पहले दिन उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्यातिथि के तौर पर चंडीगढ़ प्रशासक सलाहकार (आई.ए.एस) डा. धर्मपाल व अध्यक्षता महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश बहादुर ने की । अधिवेशन की मुख्य वक्ता अंबेडकर महासभा हरियाणा की प्रदेश अध्यक्ष रीना वाल्मीकि रही। उद्घाटन समारोह में अधिवेशन में मौजूद लोगो को संबोधित करते हुए डा. धर्मपाल ने कहा कि ऑल इंडिया अंबेडकर महासभा द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन जरूर लोगो को जागरूक करने का काम करेगा और अंबेडकर ज्योति की ज्वाला को और मजबूत करेगा। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश बहादुर ने कहा कि दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान कार्यकर्ताओं और लोगो में खूब जोश देखने को मिला। अधिवेशन में 18 प्रदेशों से आए प्रतिनिधियों ने भाग लेकर अपने विचार और अपनी प्रदेशों से जुड़ी समस्याओं पर बात कर चर्चा की । बहादुर ने बताया कि इस अधिवेशन का मकसद बाबा साहेब की विचारधारा का प्रचार प्रसार कर लोगो को जागरूक करना था। बहादुर ने लोगो से आग्रह करते हुए भी अपील करी की इस अस्मिता की लड़ाई को लड़ने के लिए ज्यादा से ज्यादा संख्या में अंबेडकर महासभा से जुड़कर कार्य करे और बहुजन समाज को मजबूत करने का काम करे।

अधिवेशन के दूसरे दिन प्रदेश चुनाव आयुक्त हरियाणा धनपत सिंह, अध्यक्षता के तौर पर अंबेडकर महासभा चंडीगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष और क्रन्तिकारी नेता सत्यवान सरोहा, पूर्व डीजीपी बीएस संधू और मुख्य वक्ता महासभा के राष्ट्रीय महासचिव सरदार अमरीक सिंह बांगड़ मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

चुनाव आयुक्त धनपत सिंह ने कहा की जाति एक वास्तविकता है जिससे नकारा नहीं जा सकता, जाति एक ऐसा कुष्ठ रोग है जो देश को खोखला कर देती है। हमे जातियों में न बटकर एक सांझे मंच पर आना होगा और यह कार्य इस दो दिवसीय अधिवेशन के बाद लगता है ऑल इंडिया अंबेडकर ही वह छतरी बन सकती। महासभा के प्रधान महासचिव अमरीक सिँह बंगड़ ने महासभा की पंचवर्षीय कार्यसूची और संकल्प पत्र को प्रस्तावित किया जिसका अधिवेशन में मोजूद लोगो ने हाथ उठाकर सहमति देते हुए मंजूर किया। सत्यवान सरोहा ने कहा कि हमे बाबा साहब के दिखाए रास्ते पर चलते हुए जातियों में न बटकर हमे एक होना है और जो हमे एकता के सूत्र में पिरो सकती है वह जाति अंबेडकरबादी है। दो दिवसीय अधिवेशन के दौरान कलाकारों द्वारा खूब मनमोहक प्रस्तुतियां भी दी गई, इस दौरान प्रवीन बड़सी, मनजीत मेहरा, सविता अंबेडकर और गुड शेफर्ड स्कूल के बच्चों ने अपनी कला द्वारा लोगो को खूब मन मोहा। दो दिवसीय इस अधिवेशन में पश्चिम बंगाल से सुरेश राम चौहान, मध्य प्रदेश से छोटू राम आदिवासी, महाराष्ट्र से असलम कादरी, उत्तर प्रदेश से आर के चौहान, छत्तीसगढ़ हिमानी वासनिक, पंजाब से परवीन सिंह, झारखंड से बलेमा कुई, राजेंद्र कुमार तेलंगाना, गुजरात से किरीट कुमार, बिहार संजय वाल्मीकि, हिमाचल प्रदेश सुशील बहल, राजस्थान से राकेश पंडित व अन्य प्रदेशों से आए प्रतिनिधिओ ने अधिवेशन को सम्भोधित किया।

जिला कारागार करनाल में स्पेशल लोक अदालत का आयोजन

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । जिला कारागार करनाल में मुख्य दंडाधिकारी एवं सचिव, जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण सुश्री जसबीर कौर के द्वारा स्पेशल जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिसमे 5 अंडर ट्रायल प्रिजनर्स के केसो का चयन किया गया। जिसमें 3 केसों में 3 अंडरगोन किया। सुश्री जसबीर कौर ने बताया कि समय-समय पर जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण करनाल के द्वारा हर माह के पहले और तीसरे बुधवार को जेल में लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। जसबीर कौर ने कैदियों से आग्रह किया कि अगर किसी के पास उसकी केस की पैरवी करने के लिए वकील नहीं है तो वह सुपरिंटेंडेंट जिला कारागार करनाल के माध्यम से अपना प्रार्थना पत्र जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण करनाल को भेज सकता है। अथॉरिटी के द्वारा उसको पैनल अधिवक्ताओं में से किसी एक को उसके केस की पैरवी करने के लिए नियुक्त कर दिया जाएगा। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, बच्चों, वरिष्ठ नागरिक, अनुसूचित जाति व जनजाति या आम नागरिक जिसकी सभी स्त्रोतों से आय 3 लाख से कम है ऐसे व्यक्ति मुफ्त कानूनी सलाह या मुफ्त कानूनी सहायता पाने का हकदार है। आज की जेल लोक अदालत मे अमित भादू, सुपरिंटेंडेंट जिला जेल कारागार, करनाल सुश्री शैलाक्षी भारद्वाज, डिप्टी सुपरिंटेंडेंट, जिला जेल कारागार, करनाल भी उपस्थित थे। सुश्री शैलाक्षी भारद्वाज, डिप्टी सुपरिंटेंडेंट, जिला जेल कारागार एवं जसवंत सिंह, डिप्टी सुपरिंटेंडेंट, जिला जेल कारागार ने जसबीर, मुख्य दंडाधिकारी एवं सचिव, जिला

विधिक सेवाएं प्राधिकरण, करनाल को आश्वस्त किया कि हम सप्ताह में एक बार सभी कैदियों से पूछते रहते हैं कि किसी के पास कोई वकील उसके केस की पैरवी करने के लिए ना हो तो जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण, करनाल के द्वारा उसे निशुल्क प्रदान किया जाएगा।

एचएसजीपीसी प्रबन्धक समिति की मतदाता सूची के लिए एसडीएम ने ली बैठक

गजब हरियाणा न्यूज/अमित बंसल

घरौंडा । हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक समिति की मतदाता सूची बनाने को लेकर घरौंडा की एसडीएम अदिति ने अपने कार्यालय में अधिकारियों व कर्मचारियों की बैठक ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने एआरओ (बीडीपीओ) करनाल व अन्य सम्बंधित अधिकारियों को मतदाता सूची को जल्द से जल्द तैयार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक समिति के चुनाव से सम्बंधित मतदाता सूची के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर बेहतर समन्वय के साथ पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सम्बंधित एआरओ अपने-अपने क्षेत्रों के तहत गुरुद्वारा प्रबन्धकों के पदाधिकारियों, पटवारी व ग्राम सचिवों की बैठक लेकर वोट बनवाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि निर्धारित फॉर्म अनुसार सम्बंधित एक केशधारी सिख हूं, वह दाढी या केशों को साफ या हजामत नहीं करता, धुम्रपान नहीं करता या किसी भी रूप में कुथा (हलाल मास का प्रयोग नहीं करता), मादक पेय नहीं लेता, पतित नहीं हूं, एक जनवरी 2023 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली हो, उपरोक्त पते का पिछले छः माह से अधिक का सामान्य निवासी हो, यह नियम शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति जो इन नियमों व शर्तों को पूरा करता है वह बीडीपीओ कार्यालय से कार्य दिवस पर प्रातः 9 से सायं 5 बजे तक फॉर्म प्राप्त कर सकता है और उसे भरके जमा करवा सकता है। वोट बनवाने के लिए अपने सर्कल के तहत पटवारी व ग्राम सचिव से सम्पर्क कर सकते हैं। उसके लिए सम्बंधित को फॉर्म भरके आधार कार्ड व विधानसभा सम्बंधित वोटर कार्ड लाकर अपनी वोट हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक समिति की मतदाता सूची में दर्ज करवा सकता है। उन्होंने गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के पदाधिकारियों को भी आह्वान किया कि वे भी अपने-अपने क्षेत्रों में वोट से सम्बंधित जो कार्य है उसके लिए सम्बंधित व्यक्ति को बीडीपीओ कार्यालय में भेजे ताकि मतदाता सूची बनाने के कार्य को किया जा सकें। उन्होंने कहा कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक समिति की मतदाता सूची बनाने को लेकर सरकार सजग है।

इस अवसर पर बीडीपीओ नरेन्द्र कुमार, चुनाव कानुनगो, ग्राम सचिव, पटवारी तथा गुरुद्वारों के प्रबंधक सदस्य भी मौजूद रहे।

सभी तरह के विज्ञापन लगवाए उचित दामों में नाम परिवर्तन, बेदखली, नोटिस, खोया पाया, वैवाहिकी, आवश्यकत, बधाई संदेश, कोर्ट नोटिस, बोली सूचना, नीलामी सूचना, बैंक नोटिस, व्यवसायिक गतिविधियां। संपर्क करें।
जरनैल सिंह रंगा पत्रकार मो. 9138203233

गांव बजीदपुर में लगवाया गया निशुल्क हेल्थ चेकअप व आँखों का कैम्प

निशुल्क हेल्थ चेकअप व आँखों के कैम्प में 352 ग्रामीणों ने करवाई जांच

गजब हरियाणा न्यूज/रविंद्र

पिपली । स्टालवार्ट फाउंडेशन के चेयरमैन एवं समाजसेवी संदीप गर्ग ने रविवार को गांव बजीदपुर में निशुल्क हैल्थ चेकअप कैम्प व निशुल्क आँखों का जाँच शिविर लगाया गया। कैम्प में ग्रामीणों ने अपने स्वास्थ्य व अपनी आँखों की जाँच करवाई।

सरपंच विक्रम सिंह ने कहा कि समाजसेवी संदीप गर्ग द्वारा हल्के के प्रत्येक गाँवों में लोगों के स्वास्थ्य को देखते हुए हैल्थ चेकअप कैम्प लगाए जा रहे हैं। इससे ज्यादा सराहनीय कार्य कोई हो नहीं सकता। उन्होंने कहा कि सभी को समाजसेवी संदीप गर्ग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहिए और सामाजिक कार्यों में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए।

समाजसेवी संदीप गर्ग ने कहा कि सभी लोगों को अपने स्वास्थ्य की तरफ ध्यान देना चाहिए और जो यह निशुल्क हेल्थ कैम्प लगते हैं इनमें जाकर अपने स्वास्थ्य की जाँच अवश्य करवानी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि कैम्प में 352 ग्रामीणों ने अपने स्वास्थ्य व आँखों की जाँच करवाई तो वहीं 192 लोगों को निशुल्क चश्मे वितरित किए गए। 26 लोगों के संदीप गर्ग द्वारा आँखों के ऑपरेशन भी करवाएं जाएंगे। मौके पर राजेश कुमार, प्रवेश कुमार, रविन्द्र कुमार, कुलदीप सिंह, गुरजीत सिंह, रामशरण, रमेश कुमार, नर सिंह, बलकार सिंह, सत्री, तरुण, मुलख राज आदि मौजूद थे।

अज्ञानता वश मनुष्य निर्जीव जड़ वस्तुओं की पूजा में लंपट : स्वामी ज्ञाननाथ

मृत और मूर्त, निर्जीव जड़ वस्तुओं की पूजा, अर्चना, उपासना, आरती, प्रार्थना वास्तविक भक्ति और परम परमेश्वर नहीं : महामंडलेश्वर

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला । निराकरी जागृति मिशन नारायणगढ़ के गाड़ी मशीन अध्यक्ष और संत सुरक्षा मिशन भारत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ ने ज्ञान चर्चा के दौरान रूहानी प्रवचनों में कहा कि अज्ञानता वश मनुष्य जिस मृत और मूर्त, निर्जीव जड़ वस्तुओं की पूजा, अर्चना, उपासना, आरती, प्रार्थना करता है यह वास्तविक भक्ति और परम परमेश्वर नहीं है। अखिल ब्रह्मांड में जो भी आंखों से देखा जाता है, कानों से सुना जाता है, जीभ से बोला जाता है, पढ़ने लिखने और बोलने में आता है, इंद्रियों से ग्रहण किया जाता है, अनुभव किया जाता है और जो हम समझ रहे हैं यह सब कुछ परमात्मा नहीं है। स्वामी जी ने कहा कि अध्यात्म कुछ सीखने का नहीं बल्कि सीखे हुए को छोड़कर अपने आप में स्थितप्रज्ञ होने का मार्ग है। अध्यात्म भगाने का नहीं बल्कि अपने आप में जागने और अपने आप को जानने का मार्ग है। इसलिए उठो जागो, सांसारिक मोह निद्रा, दृश्यों के आकर्षण और आसक्ति, रिशते-नातों के मोहपाश को अंत:करण से त्यागो, निरंतर अथक प्रयास करो और तब तक कठोर परिश्रम करते रहो जब तक मंजिल नहीं मिलती। महामंडलेश्वर सतगुरु स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज ने कहा कि सबसे बड़ा शिक्षक आपकी आत्मा अर्थात तुम्हारा अपना आप है। जहां आप हैं वहीं परमात्मा है क्योंकि यह ओत-प्रोत एकरस कायम दायम जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार एंव सर्वाधार परमात्मा अखिल ब्रह्मांड के कण-कण, जड और चेतन मे रसा और बसा हुआ है। अगर घबरा गए और विचलित हो गए तो असफल और अगर जीवन में मन वचन और कर्म से कुछ करने की ठान ली तो सफलता आपके पांव चुमेगी। स्वामी जी ने कहा कि संसार दुखों का घर है अज्ञानतावश और ज्ञान विवेक की कमी के कारण मनुष्य यह समझता है कि मैं भोगों को भोग रहा हूं परंतु वास्तविकता यह है कि भोग ही मनुष्य को भोग रहे हैं और भोग ही सभी रोगों का मूल कारण है। महामंडलेश्वर सतगुरु स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज जी ने कहा कि यह भलीभांति समझ लो की आत्मा सब के साथ रहती हुई भी असंग और अकेली रहती है। लौकिक जगत की सभी उपाधियों और उपलब्धियां से, हर तरह के मनन और चिंतन से, नकारात्मक और सकारात्मक विचारों से, सभी लौकिक और लौकिक इच्छाओं से, रंग रूप आकार प्रकार के दृश्यों से पार एवं परे है। बंधन इच्छाओं का होता है और सांसारिक इच्छाओं के कारण ही मनुष्य अतृप्त रहता है। आसक्ति में नहीं बल्कि विरक्ति में, संग्रह में नहीं बल्कि निग्रह में मुक्ति है। जब चंचल मन किसी सांसारिक वस्तु को प्राप्त करके खुश होता है या क्रोधित होता है तो यह सब बंधन है। संसारिक इच्छाओं का त्याग ही संसार का त्याग है। त्याग से वैराग तथा वैराग से ज्ञान और ज्ञान से ध्यान और ध्यान से आत्मिक सुख-आनंद और मोक्ष मुक्ति की अवस्था प्राप्त होती है। ज्ञान और त्याग की ज्वाला साधक की इच्छाओं को भस्म कर देती है और अंत:करण को निर्मल कर देती है। महामंडलेश्वर सतगुरु स्वामी ज्ञाननाथ जी महाराज ने कहा कि इस ओत-प्रोत एक रस जय श्री प्रियतम निर्गुण निराकार एवं सर्वधार परमात्मा की कोई शुरुआत, मध्य और अंत नहीं है। इसकी परम चेतन शक्ति से ही आंखें समस्त जगत के दृष्टिमान रंग रूप आकार-प्रकार के दृश्य और नाना प्रकार के प्रपंच को देख सकती हैं, कान सुन सकते हैं, जीभ बोल सकती है, इंद्रियां, ज्ञानेंद्रियां, कर्मेंद्रियां और शरीर के अन्य अंग, प्रत्यंग काम करते हैं। इसकी शक्ति से हमें सब कुछ करने की क्षमता मिलती है। यहां यह कहना उचित होगा कि जिसको आंखों देख नहीं सकती परंतु जिससे आंखों को देखने की क्षमता मिलती है, कानों के द्वारा शब्दों को सुना नहीं जा सकता किंतु जिससे कानों को वर्णनात्मक और धुनात्मक नाम सुनने की शक्ति प्राप्त होती है, जो प्राणों के द्वारा प्रेरित नही होता परंतु जिससे प्राण शक्ति प्रेरणा लेते हैं। यह परम चैतन्य हस्ती सब कुछ करने में सक्षम है बस इसी परिपूर्ण पार ब्रह्म परमात्मा को समय के सतगुरु की दया-मेहर से जानो-पहचानो और अपने आप मे स्थितप्रज्ञ हो जाओ ।यह एक विश्व व्यापी अकाट्य सच है।

बजीदपुर में सजा दूसरा कीर्तन दरबार

रविशंकर धुराला वाले ने गुरु रविदास की वाणी का गुणगान कर संगत को किया निहाल

कीर्तन दरबार में अन्य जिलों से श्रद्धालुओं ने पहुंचकर गुरु की वाणी का किया श्रवण

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। खंड के गांव बजीदपुर में शनिवार की रात को दूसरे कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया। कीर्तन दरबार में अमर शहीद संत रामानंद महाराज के शिष्य रविशंकर धुराला वाले ने सतगुरु रविदास जी महाराज की पावन पवित्र अमृतबाणी का गुणगान कर संगत को निहाल किया। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र के अलावा यमुनानगर, करनाल, अम्बाला से भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कीर्तन दरबार की खास बात ये रही कि देर रात तक चले कीर्तन दरबार में श्रद्धालुओं ने गुरु की वाणी को श्रवण किया।

रविशंकर ने शब्दों के माध्यम से कहा कि सतगुरु रविदास जी महाराज ने समाज के वर्गों को एकता,समानता, भाईचारे का संदेश दिया और सभी को गुरु जी के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने शब्दों के द्वारा श्री गुरु रविदास के संदेशों का बखान करते हुए संगत को बताया कि उस समय कठिन परिस्थितियों में गुरु रविदास ने समाज के उत्थान के लिए कार्य किया। आज हमें जरूरत है उनके बताए हुए संदेश पर चलने की। रविशंकर द्वारा प्रस्तुत किए गए गुरु रविदास की अमृतवाणी के सुंदर शब्दों पर श्रद्धालुओं ने आनंद उठाया।

कार्यक्रम में पहुंचे डीएसपी हेडक्वार्टर सुभाष चंद और पिपली पंचायत समिति के चेयरमैन विक्रमजीत सिंह चीमा ने सतगुरु रविदास जी महाराज के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और नमन किया। डीएसपी सुभाष चन्द ने श्रद्धालुओं को गुरु रविदास जी महाराज जी के बताए गए संदेश पर चलने का आह्वान किया और कहा कि अगर उन्होंने अपने बच्चों का भविष्य बनाना है तो बच्चों को अच्छी शिक्षा मुहैया कराएं। पंचायत समिति पिपली के चेयरमैन विक्रमजीत चीमा ने लगाए गए कीर्तन दरबार की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कीर्तन दरबारों से समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने का मौका मिलता है। उन्होंने गुरु रविदास जी की शिक्षाओं पर चलने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में श्री गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला सभा के प्रधान सूरजभान नरवाल, मीडिया वेल्फेयर क्लब के प्रधान बाबूराम तुषार, लखमी चंद रंगा, जरनैल सिंह रंगा, हुकम चंद, ब्लॉक समिति के सदस्य बीर सिंह, बीटीएफ संरक्षक धर्मसिंह क्रांति, सुनील चमारा, अशोक सूनेहड़ी, सुनील मिर्जापुर व सदस्यगण, भीम आर्मी के पदाधिकारी संजीव अंबेडकर, विजय कुमार, रविंद्र कुमार, केहर सिंह, गुरु रविदास सभा लाडवा के प्रधान महिंद्र पाल, प्रवीण कुमार, वीरेंद्र रॉय, सुनील कुमार, नछत्र सिंह, दयाल सिंह, मान सिंह, रीटा सोलखे, जोगिंद्रो देवी, सरोज बाला, राजरानी, पिंकी, संतोष, उर्मिला आदि मौजूद रही।

राजनीति नहीं, बल्कि लाडवा हलके के चहुंमुखी विकास के लिए कूदे चुनावी समर में : चीमा

कई गांवों का दौरा कर विक्रमजीत चीमा ने लोगों की सुनी समस्याएं, दिया समस्याओं के निराकरण का आश्वासन

कहा, प्रत्येक गांव का हो चहुंमुखी विकास और प्रत्येक व्यक्ति को मिले मान सम्मान

गजब हरियाणा न्यूज/जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र, पंचायत समिति पिपली के चेयरमैन विक्रमजीत सिंह चीमा ने कहा कि वे चुनावी समर में लाडवा हलके के चहुंमुखी विकास को लेकर कूदे हैं। उनका उद्देश्य राजनीति नहीं बल्कि लोगों की सेवा करना है। उनके सम्मुख एकमात्र उद्देश्य है कि लाडवा हलके के प्रत्येक गांव का चहुंमुखी विकास हो और प्रत्येक व्यक्ति को मान सम्मान मिले। उनके सामने सभी व्यक्ति बराबर हैं। वे पिपली खंड के कई गांवों का दौरा करने के बाद उमरी में आयोजित एक कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि लाडवा हलके में अभी भी कई ऐसे गांव हैं, जो विकास से अछूते हैं। कई गांवों में समस्याएं वर्षों से निदान की बाट जोह रही हैं। ऐसे में उनके सामने लक्ष्य है कि सभी गांवों का समान विकास हो। उन्होंने कहा कि गांवों के अंदर आपसी भाईचारा व सद्भावना बनाने के प्रयास रहेंगे। सभी लोगों के कार्य प्राथमिकता के आधार पर हों। इसको लेकर एक रणनीति बनाई जाएगी, ताकि कोई भी व्यक्ति छूटे ना।

उन्होंने कहा कि समानता के आधार पर लाडवा हलका में समुचित विकास कराने के साथ साथ हलके को प्रदेश का आदर्श नंबर वन हलका बनाना भी उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि आज तक जितने भी लोग लाडवा हलके में चुनाव लडकर जीते हैं, उन्होंने केवल अपने को आगे बढाने का काम किया है, लेकिन वे लोगों को आगे बढाने का काम करेंगे। गरीब, मजदूर, किसान, शोषित, पिछड़ों की आवाज को दबने नहीं देंगे, बल्कि इन वर्गों के लोगों के लिए वे अपनी पूरी ताकत लगा देंगे।

कई गांवों में बुजुर्गों ने विक्रमजीत सिंह चीमा को आगे बढने का आशीर्वाद दिया, बल्कि खुद विक्रमजीत चीमा ने बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। उमरी व शादीपुर में विक्रमजीत चीमा ने युवाओं को खेलने के लिए किट दी और युवाओं को आह्वान किया कि वे अपने देश को आगे बढाने के लिए राष्ट्रीय भावना से खेल खेलें। तभी वे अच्छे खिलाड़ी बन पाएंगे। विक्रमजीत चीमा ने कई गांवों में लाखों रुपये के ग्रांट देने की भी घोषणा की और जरूरतमंद लोगों को आर्थिक सहायता भी दी।

इस मौके पर उमरी के ग्रामीणों ने गांव में पहुंचने पर विक्रमजीत चीमा का फूल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर पंचायत समिति पिपली के वाईस चेयरमैन हुकम चंद, ब्लाक समिति सदस्य सुनील कुमार, अमरेंद्र सिंह, कृष्ण लाल आदि मौजूद रहे।

लाल डोरा और फिरनी के बीच के घरों का रिकार्ड होगा तैयार : उपायुक्त

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । लार्ज स्केल मैपिंग एवं स्वामित्व के तहत आज यहां पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में भूमि चकबंदी विभाग की निदेशक आमना तस्नीम ने राजस्व, पंचायती राज एवं जिला के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में इस प्रोजेक्ट के तहत जिला के 5 गांवों में लाल डोरा से फिरनी के बीच के घरों का रिकार्ड तैयार किया जाने पर चर्चा की गई।

बैठक में भारतीय सर्वेक्षण विभाग के मिशन निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कुमार, उपायुक्त अनीश यादव, एसडीएम अनुभव मेहत्ता, जिला परिषद के सीईओ गौरव कुमार, जिला राजस्व अधिकारी श्याम लाल, डीडीपीओ राजबीर खुंडिया आदि ने भाग लिया। जिला उपायुक्त के अनुसार स्वामित्व योजना के तहत फिरनी और लाल डोरा के बीच के घरों का रिकार्ड तैयार किया जायेगा। इन गांवों में बीड़ भादसों, धमनहेड़ी, गुमटो, फाजिलपुर और करतारपुर शामिल हैं। लार्ज स्केल मैपिंग के तहत गांवों की चारदीवारी का मिलान किया जायेगा और अगर कोई त्रुटि सामने आई तो उसे दूर किया जायेगा। धमनहेड़ी में यह कार्य हफ्ते भीतर पूरा करने के निर्देश दिये गये हैं। लेफ्टिनेंट जनरल ने कार्य को पूरा करने वाली शंकाओं का निवारण किया। बैठक में मुरब्बा स्टोन लगाने के बारे में भी विचार-विमर्श किया गया। यह कार्य पूरा होने से जमीन की सही जानकारी ऑनलाईन प्राप्त हो सकेगी और अदालती उलझनें होंगी जिससे समय व धन की बर्बादी कम होगी और लोगों को आसानी से जमीन संबंधी रिकार्ड उपलब्ध हो सकेगा।

विश्राम गृह परिसर में ही आज गुडगांव की हैक्सागॉन जियो सिस्टम की ओर से जिला में करीब डेढ़ दर्जन पटवारियों को डीजीपीएस(डिफरेंशियल ग्लोबल पोजिशन सिस्टम) और सीओआरएस(कांटीन्यूअस आप्रेशनल रिफरेंश सिस्टम)का प्रशिक्षण अमित शर्मा, प्रदीप कुमार, जयदीप सेंगर व अमरेंद्र कुमार द्वारा दिया गया। भूमि सीमांकन व मैपिंग के लिये उपयोग किये जाने वाले रोवर के बारे में बताया गया। उपायुक्त ने भी रोवर की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी ली।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रेस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Nanber: HAR/HIN/2018/77311